सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 255, नई दिल्ली | रविवार, 26 नवम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है,
जो बदला नहीं बदलाव
लाने की सोच रखते है।

ओला उबर जैसी निजी टैक्सी सेवाओं पर सरकार कसेगी शिकंजा, इस नियम का उल्लंघन करने पर लग सकता है 5000 हजार का जुर्माना

संजय बाटला, संपादक

दिल्ली सरकार की दिल्ली मोटर व्हीकल एग्रीगेटर एंड डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर स्कीम 2023 को एलजी वी के सक्सेना ने मंजूरी दे दी है। यह स्कीम दिल्ली मे यात्री परिवहन सेवाएं प्रदान करने वाले एग्रीगेटरों और डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को व्यापक रेगुलेशन और लाइसेंसिंग के लिए एक प्लेटफार्म मुहैया कराएगी। इस स्कीम के लागू होने के बाद दिल्ली में ओला- ऊबर जैसी निजी टैक्सी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों पर नकेल कसी जा सकेगी।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पांच हजार से लेकर एक लाख तक जुर्माना लगाया जाएगा। नीति का अगले सप्ताह तक अधिसूचित होने की संभावना है। इस स्कीम का मकसद दिल्ली मे प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के साथ निजी कंपनियों की टैक्सी किराये पर लेने के बाद यात्रियों को होने वाली परेशानियों निजात दिलाना है इसके दायरे में ओला-ऊबर जैसी कंपनियां आएंगी।ओवर चर्जिंग या यात्रियों से गलत आचरण आदि की

शिकायतों पर एग्रीगेटर नीति के तहत कार्रवाई होगी।

अगर ऐसी कंपनियों के चालक सवारियों से अधिक पैसा वसूलता हैं या ठीक से पेश नहीं आते हैं तो संबंधित चालकों-कंपनियों पर कार्रवाई होगी। इस स्कीम को दिल्ली सरकार ने 18 अक्टूबर को मंजूरी दे दी थी और इसकी फाइल एलजी को सौंप दी गई थी।दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाता योजना-2023 के तहत तिपहिया वाहनों वाले एग्रीगेटर्स को योजना के कार्यान्वयन के छह महीने के भीतर अपने नए बेड़े में ईवी का लक्ष्य 10 प्रतिशत, दो साल में 50 प्रतिशत और चार साल में 100 प्रतिशत हासिल करना होगा।

चार पहिया वाहनों वाले एग्रीगेटर्स को छह महीने में नए बेड़े में 5 प्रतिशत ईवी करना होगा, तीन साल में 50 प्रतिशत और पांच साल में 100 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करना होगा। डिलीवरी सेवा प्रदाताओं के लिए स्कीम में दोपहिया और तिपहिया वाहनों के नए बेड़े में ईवी लक्ष्य छह महीने में 10 प्रतिशत, दो साल में 50 प्रतिशत और चार साल में 100 प्रतिशत निर्धारित किया है। चार पहिया वाहन रखने वालों को छह महीने में नए बेड़े में 5 प्रतिशत, तीन साल में 50 प्रतिशत और पांच साल में 100 प्रतिशत ईवी का लक्ष्य हासिल करना होगा।

एग्रीगेटर्स को करने होंगे ये काम

एक महीने में 15 प्रतिशत या इससे अधिक शिकायतों वाले चालकों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगा। एक वर्ष की अवधि में 3.5 से कम रेटिंग वाले चालकों को प्रशिक्षण और सुधारात्मक उपाय करने होंगे। अकुशल चालकों के प्रदर्शन की निगरानी एग्रीगेटर और परिवहन विभाग द्वारा की जाएगी। यदि प्रदर्शन में सुधार नहीं होता है तो परिवहन विभाग उनके वाहन बैज को समाप्त कर देगा।

वाहन में एग्रीगेटर का लोगो लगाना होना। कैब में पैनिक बटन लगवाना होगा ताकि आपात स्थिति में स्थानीय पुलिस से संपर्क किया जा सके। यात्रियों को कम से कम दो लोगों को लोकेशन शेयर करने की सुविधा देनी होगी। -एप के फायरवाल का निर्माण कराना होगा, ताकि यात्रियों के पर्सनल डाटा लीक न हो। दिल्ली में संचालन के लिए परिवहन विभाग से लाइसेंस लेना होगा।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

दिल्ली सरकार की इस खास योजना को मिली मंजूरी, प्रदूषण रोकने में मिलेगी मदद; जानें क्या है स्कीम

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार की दिल्ली मोटर व्हीकल एग्रीगेटर एंड डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर स्कीम को मंजूरी मिल गई है। स्कीम के तहत एग्रीगेटर्स को योजना के कार्यान्वयन के बाद अपने बेड़े मे एक निर्धारित अवधि के बाद सौ प्रतिशत ईवी वाहनों को शामिल करने का लक्ष्य हासिल करना होगा। राजधानी के प्रदूषण मे वाहनों के धुएं की भागीदारी सबसे अधिक पाई जाती है, ऐसे में यह योजना कारगर साबित हो सकती है।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की दिल्ली मोटर व्हीकल एग्रीगेटर एंड डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर स्कीम को मंजूरी मिल गई है। स्कीम के तहत एग्रीगेटर्स को योजना के कार्यान्वयन के बाद अपने बेड़े मे एक निर्धारित अवधि के बाद सौ प्रतिशत ईवी वाहनों को शामिल करने का लक्ष्य हासिल करना होगा।

राजधानी के प्रदूषण मे वाहनों के धुएं की भागीदारी सबसे अधिक पाई जाती है, ऐसे में यह योजना कारगर साबित हो सकती है।

डिलीवरी सेवा प्रदाताओं के लिए लक्ष्य

डिलीवरी सेवा प्रदाताओं के लिए स्कीम में दोपहिया और तिपहिया वाहनों के नए बेड़े में ईवी लक्ष्य छह महीने में 10 प्रतिशत, दो साल में 50 प्रतिशत और चार साल में 100 प्रतिशत निर्धारित किया है।

चार पहिया वाहन रखने वालों को छह महीने में नए बेड़े में 5 प्रतिशत, तीन साल में 50 प्रतिशत और पांच साल में 100 प्रतिशत ईवी का लक्ष्य हासिल करना होगा।

दिल्ली में बाइक टैक्सी वैध रूप से चल सकेंगी

अब दिल्ली में बाइक टैक्सी वैध रूप से चल सकेंगी। बता दें कि अवैध तरीके से दो पहिया वाहनों के जरिये सवारी उठाने की शिकायत मिलने के बाद फरवरी में परिवहन विभाग ने कार्रवाई शुरू की थी, यह मामला उस समय चर्चा में आ गया था।

उस समय दिल्ली सरकार ने एप आधारित कंपनियों से जुड़कर सवारी उठाने वाले दो पहिया

वाहनों पर कार्रवाई शुरू की थी।

एग्रीगेटर्स को करने होंगे ये काम

तिपहिया व चार पहिया वाहनों वाले एग्रीगेटर्स के लिए लक्ष्य

दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाता योजना-2023 के तहत तिपहिया वाहनों वाले एग्रीगेटर्स को योजना के कार्यान्वयन के छह महीने के भीतर अपने नए बेड़े में ईवी का लक्ष्य 10 प्रतिशत, दो साल में 50 प्रतिशत और चार साल में 100 प्रतिशत हासिल करना होगा।

चार पहिया वाहनों वाले एग्रीगेटर्स को छह महीने में नए बेड़े में 5 प्रतिशत ईवी करना होगा, तीन साल में 50 प्रतिशत और पांच साल में 100 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करना होगा।

- एक महीने में 15 प्रतिशत या इससे अधिक शिकायतों वाले चालकों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना होगा।
- एक वर्ष की अवधि में 3.5 से कम रेटिंग वाले चालकों को प्रशिक्षण और सुधारात्मक उपाय करने होंगे।
- अकुशल चालकों के प्रदर्शन की निगरानी एग्रीगेटर और परिवहन विभाग द्वारा की जाएगी।
- चालकों के प्रदर्शन में सुधार नहीं होता है, तो परिवहन विभाग उनके वाहन बैज को समाप्त कर देगा।
- वाहन में एग्रीगेटर लोगो लगाना होना।
- कैबों में पैनिक बटन लगवाना होगा ताकि आपात स्थिति में स्थानीय पुलिस से संपर्क किया जा सके।
- यात्रियों को कम से कम दो लोगों को लोकेशन शेयर करने की सुविधा देनी होगी।
- एप के फायरवाल का निर्माण कराना होगा, ताकि यात्रियों के पर्सनल डाटा लीक न हो।
- दिल्ली में संचालन के लिए परिवहन विभाग से लाइसेंस लेना होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐप बेस्ड बसें चलाने की गुहार

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। दिल्ली ग्रामीण यात्री परिषद' एवं दिल्ली आदर्श मूल ग्रामीण समाज ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, सीएम अरविंद केजरीवाल, और दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को पत्र लिखकर दिल्ली के गांव वालों के लिए भी 'ऐप बेस्ड प्रीमियम बसें चलाने की गुहार लगाई है। संगठन के अध्यक्ष दयानंद वत्स भारतीय ने अपील के साथ यह भी याद दिलाया कि ऐप बेस्ड प्रीमियम बसों पर पहला हक राजधानी दिल्ली के गांव वालों का है। अध्यक्ष का आरोप है वर्तमान में चल रही ऐप बेस्ड कैब, और ऑटो वाले गांवों में नहीं जाते हैं।

गांव के लाखों यात्री लोग डीटीसी की सीमित लचर व्यवस्था की बसों के सहारे ही किसी गिरते पडते, अपनी ड्युटी पर, छात्र अपने स्कूलों और कॉलेजों जा पाते हैं। पत्र में लिखा है कि दिल्ली के सुदूर गांवों और बार्डर एरिया से अभी तक मैट्रो कनेक्टिविटी तक मुहैया नहीं की गई है। गांवों से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन , पालम हवाई अड्डा, दिल्ली यूनिवर्सिटीज, जामा मिलिया इस्लामिया और आईपी यूनिवर्सिटीज द्वारका,, सराय काले खां और आनंद विहार, बस अड्डा,हजरत निजामुद्दीन स्टेशन,आनंद विहार रेलवे स्टेशन, केंद्रीय सचिवालय, एम्स,सफदरजंग अस्पताल, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, एलएनजीपी अस्पताल, तक जाने की कोई भी सीधी बस नहीं है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के दैनिक यात्री , पेशेंट, नौकरी वाले, स्टूडेंटों को परिवहन की भारी परेशानी हो रही है। कहने को इस समय डीटीसी और क्लस्टर डिम्टस बसें परिचालन में तो हैं लेकिन उनके रूट गांवों से नहीं चलते है। यात्री

दैनिक परिषद के अध्यक्ष दयानंद वत्स ने बताया कि ऐप बेस्ड प्रीमियम बस सेवाओं की सबसे सख्त जरूत गांव के यात्रियों को है। लिहाजा ऐप बेस्ड प्रीमियम बसें चोटी बार्डर, सिंघल बार्डर, टिकरी बार्डर, दांसा बार्डर, बद्र पुर बार्डर, से चलाई जानी चाहिए। इसके अलावा सुदूर गांवों जिनमें, कुतुब गढ़, कटेवडा, हरेवली, घोघा, माजरा डबास, बवाना, नरेला, अलीपुर, पल्ला, बख्तावर पुर, घेवरा, मुखमेल पुर, बुराडी, सांवदा, निजाम पुर, नांगलोई, नजफगढ, महरौली, मुंडा, किराडी, कंझावला, दिचाऊ कलां, हिरण कूदना, नीलवाल, छावला, नानकहेडी, मित्राऊ, पंडवाला, मटियाला, ककरोला, वक्करवाला, आदि गांव प्रमुख हैं। वत्स के मुताबिक गांवों मे दिन ढलते ही परिवहन का कोई साधन नहीं मिलता है। उन्होंने दैनिक ग्रामीण यात्रियों की परेशानियों के मद्देनजर उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर से दिल्ली से ऐप बेस्ड प्रीमियम बसों को गांव बेस्ड प्रथम की सूचीबद्ध करने की गुहार लगाई है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020) , एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

कभी गन्ने के खेत में दौड़ लगाती थी पारुल, पिता बोले- पता नहीं था बेटी की जिद देश को सोने से चमका देगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पारुल चौधरी को इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी है । उन्होंने अपने पोस्ट मे लिखा– "एशियाई खेलों में महिलाओं की 5000 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पारुल चौधरी को बधाई! 15 मिनट 14.75 सेकेंड के समय के साथ आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने देश को गौरवान्वित किया है। आपके भविष्य के प्रयासों में सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

एशियाई खेलों में महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली पारुल चौधरी के मेरठ स्थित गांव में जश्न का माहौल है और उनके पिता को यकीन नहीं हो रहा है कि उनकी बेटी का शौक एक दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेगा। पारुल के पदक जीतने के बाद इकलौता गांव में उनके परिजनों को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है और मिठाई बांटकर जश्न मनाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पारुल चौधरी को इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी है । उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- "एशियाई खेलों में महिलाओं की 5000 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पारुल चौधरी को बधाई! 15 मिनट 14.75 सेकेंड के समय के साथ आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने देश को गौरवान्वित किया है। आपके भविष्य के प्रयासों में सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

इधर पारुल चौधरी के स्वर्ण पदक जीतने की खबर जैसे ही जिले के कैलाश प्रकाश स्टेडियम पहुंची तो वहां अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। पारुल के साथ अभ्यास करने वाले साथी खिलाड़ियों ने स्टेडियम में मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की। पारुल के पिता कृष्ण पाल ने कहा कि ''उनकी बेटी का सपना ओलंपिक में देश के लिए खेल कर जीतना है। मैंने उससे कहा बिटिया अब शादी कर लो। ताकि हम अपना फर्ज पूरा करें। लेकिन बिटिया ने कहा कि पापा जब तक मैं ओलंपिक में खेलकर भारत का नाम नहीं रोशन कर दूंगी तब तक मैं शादी नहीं करूंगी। पारुल ने बचपन में काफी परेशानी से अपना वक्त गुजारा। वह लंबा रास्ता तय करके अभ्यास के लिए कैलाश प्रकाश स्टेडियम पहुंचती थी।"

कृष्णपाल ने कहा-''मेरी बेटी कभी शौक से खेतों में दौड़ा करती थी। मुझे नहीं पता था कि एक दिन उसका यह शौक देश का गौरव बन जाएगा।'' पारुल चौधरी की प्रेरणा उनकी बड़ी बहन प्रीति थी। वह भी धाविका थी और राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिताओं में पदक जीता था। पारुल बड़ी बहन के साथ ही स्टेडियम में अभ्यास के लिए आया करती थीं। उनके पिता कृष्ण पाल सिंह किसान हैं और माता राजेश देवी गृहणी हैं। पारुल के कोच रहे गौरव ने बताया कि शुरू में वह लड़कों के साथ अभ्यास करती थी। जिसका लाभ पारुल चौधरी को अब मिल रहा है।

बढ़ते पॉल्यूशन के कारण हो रही है आंखों में जलन-खुजली तो अपनाएं ये आसान तरीके

आंखों में जलन होने का मुख्य कारण धूल-मिट्टी भी हो सकती है। ऐसे में इससे अपना बचाव करें। धूल मिट्टी के कारण आंखों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है जिसके कारण आंखों में जलन, आंखों से पानी आना और अन्य समस्याएं होने लगती हैं ऐसे में धूल-मिट्टी से खुद को बचाने के लिए धूप का चश्मा जरुर लगाएं।

बदलते मौसम और पराली जलने के कारण बीते कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर बहुत ही खराब हो गया है। खराब वायु प्रदूषण का असर स्वास्थ्य पर भी हो रहा है। प्रदूषण के कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, फेफड़ों से संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा प्रदूषण के कारण आंखों में जलन भी बहुत से लोगों को हो रही है। ऐसे में बढ़ते वायु प्रदूषण में आंखों का ध्यान रखना जरुरी है। ज्यादातर लोगों को इस मौसम में खुजली, जलन और आंखों में लालगी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि आपको भी बढ़ते प्रदूषण के चलते आंखों में जलन हो रही है तो आज आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिनके जरिए आप इस समस्या से अपना बचाव कर सकते हैं। आइए जानते हैं....

साफ पानी से करें आंखों का साफ

कई बार धूप वाला चश्मा लगाने के बाद भी आंखों में धूल-मिट्टी जमा हो जाती हैं। इसके कारण आंखों में जलन और खुजली भी होने लगती है ऐसे में इस समस्या से बचने के लिए आंखों को रोजाना साफ पानी के साथ धोएं। इससे आंखों की गंदगी बाहर निकल जाएगी और आंखें एकदम साफ हो जाएंगी।

धूल मिट्टी से बचाएं आंखें

आंखों में जलन होने का मुख्य कारण धूल-मिट्टी भी हो सकती है। ऐसे में इससे अपना बचाव करें। धूल मिट्टी के कारण आंखों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है जिसके कारण आंखों में जलन, आंखों से पानी आना और अन्य समस्याएं होने लगती हैं ऐसे में धूल-मिट्टी से खुद को बचाने के लिए धूप का चश्मा जरुर लगाएं।

आई ड्रॉप करें इस्तेमाल

प्रदूषण के कारण आंखे ड्राई भी होने लगती हैं जिसके कारण आंखों में जलन, आंखों से पानी आना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में आंखों में आई ड्रॉप डालें। इससे आंखों को नमी बरकरार रहेगी और ड्राईनेस की समस्या में भी निजात मिलेगा।

गंदे हाथों के साथ न छुएं आंखें

गंदे हाथों के साथ आंखों को बिल्कुल भी न हाथ लगाएं। इससे भी इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हाथों को अच्छी तरह साबुन के साथ साफ करके ही आंखों को हाथ लगाएं।

ज्यादा न रगड़ें आंखें

आंखों को रगड़ने के कारण इनमें ड्राईनेस और लालगी होने का खतरा रहता है ऐसे में आंखों को रगड़ने से बचें।

लाजवाब है अम्मा की कचौड़ी, रात 9 बजे से शुरू होती है दुकान, स्वाद ऐसा कि ठंड में भी उमड़ती है भीड़

कचौड़ी वाली अम्मा यानी अंजू वर्मा के पति विनोद वर्मा की 7 साल पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी. अम्मा के चार बच्चे हैं. जिनमें तीन बेटी और एक बेटा है. परिवार के सामने जब रोटी रोटी का संकट खड़ा हुआ तो अम्मा ने कचौड़ी बनाकर परिवार को संभाल लिया हालांकि इस दौरान उनके बेटे ने कचौड़ी बनाने में अपनी मां का पूरा हांथ बंटाया. कचौड़ी बेचकर ही अम्मा ने अपनी एक बेटी की शादी तक कर दी है. अम्मा का कहना है कि वह कचौड़ी बेचकर उतना ही कमाना चाहती हैं. जिससे उनके बच्चों का लालन-पालन हो सके. बुजुर्ग होते हुए भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी जिसकी सराहना उनके ग्राहक भी करते हैं.

शहर की रहने वाली अंजू वर्मा के पति की करीब 7 साल पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई. पति की मौत के बाद अंजू वर्मा ने रात में कचौड़ी बेचने का काम शुरू किया. इसके बाद उनकी कचौड़ी इतनी फेमस है कि लोग अब उनको 'कचौड़ी वाली अम्मा' के नाम से जानते हैं.

सिमरनजीत सिंह/शाहजहांपुर: वैसे तो मां के हाथों के खाने का स्वाद ही सबसे अलग होता है लेकिन अब हम आपको शाहजहांपुर की अम्मा के हाथों बनी कचौड़ी के स्वाद के बारे में बताएंगे जिसे सुनकर और देखकर आपके मुंह में पानी आ जाएगा. खास बात यह है कि अम्मा के हाथ से बनी कचौड़ी का स्वाद लेने के लिए लोग हर शाम को अम्मा का इंतजार भी करते हैं.

शहर के मोहल्ला मोहम्मद जई के मंडी क्षेत्र की रहने वाली बुजुर्ग महिला का नाम वैसे तो अंजू वर्मा है लेकिन शहर में लोग उन्हें कचौड़ी वाली अम्मा कह कर बुलाते हैं. अम्मा की वैसे तो अपनी कोई दुकान नहीं है लेकिन उनके घर के पास में ही एक दयालु दुकानदार है जो अपनी दुकान बंद करने के बाद उन्हें अपनी रसोई चलाने के लिए दुकान का चबूतरा दे देते हैं. जिसके एवज में वह उनसे एक भी पैसा नहीं लेते हैं. बस कभी कभार उनकी कचौड़ी का स्वाद ले लेते हैं. अम्मा की कचौड़ी की दुकान ठीक रात 9 बजे शुरू हो जाती है. कचौड़ी का स्वाद लेने के लिए लोग पहले से ही वहां पहुंच जाते हैं क्योंकि अम्मा के हाथों की बनी गरम-गरम कचौड़ी स्वाद में चार चांद लगा देती है. अम्मा कचौड़ी के एवज में किसी से पहले पैसा नहीं लेती है. लोग पूरी ईमानदारी से कचौड़ी खाने के बाद उसका भुगतान कर देते हैं.

पति की मौत के बाद भी हौसला नहीं हारा

कचौड़ी वाली अम्मा यानी अंजू वर्मा के पति विनोद वर्मा की 7 साल पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी. अम्मा के चार बच्चे हैं. जिनमें तीन बेटी और एक बेटा है. परिवार के सामने जब रोटी रोटी का संकट खड़ा हुआ तो अम्मा ने कचौड़ी बनाकर परिवार को संभाल लिया हालांकि इस दौरान उनके बेटे ने कचौड़ी बनाने में अपनी मां का पूरा हांथ बंटाया. कचौड़ी बेचकर ही अम्मा ने अपनी एक बेटी की शादी तक कर दी है. अम्मा का कहना है कि वह कचौड़ी बेचकर उतना ही कमाना चाहती हैं. जिससे उनके बच्चों का लालन-पालन हो सके. बुजुर्ग होते हुए भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी जिसकी सराहना उनके ग्राहक भी करते हैं.

7 रुपए 50 पैसे कीमत है कचौड़ी की

अम्मा कचौड़ी के स्वाद को बेहतर करने के लिए साथ में अपने हाथ से तैयार की हुई चटनी भी देती हैं. चटनी में धनिया, टमाटर, लहसुन और हरी मिर्च के साथ-साथ हाथों से तैयार किए हुए मसाले को कचौड़ी के स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करती हैं. अम्मा एक कचौड़ी के बदले 7 रुपए 50 पैसे लेती हैं. कचौड़ी के साथ सब्जी और चटनी भी देती हैं जिसका कोई पैसा नहीं लेती लेकिन स्वाद का पूरा मजा लेने के लिए लोग कम से कम अम्मा की चार कचौड़ी जरूर खाते हैं.

दिल्लीवालों को फिलहाल प्रदूषण से राहत नहीं

हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में बरकरार; AQI 450 के पार

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। यहां लगातार दूसरे दिन भी हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। इस वजह से सांसों पर संकट बरकरार है। चिंताजनक यह है कि दिल्ली के करीब आधा दर्जन इलाकों में एयर इंडेक्स 459 से अधिक होने के कारण हवा की गुणवत्ता खतरनाक बनी हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार रविवार को प्रदूषण के स्तर में आंशिक कमी हो सकती है। लेकिन अभी प्रदूषण से ज्यादा राहत की संभावना नहीं है। इस वजह से अगले कुछ दिनों तक हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार दूसरे दिन भी हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है। इस वजह से सांसों पर संकट बरकरार है। चिंताजनक यह है कि दिल्ली के करीब आधा दर्जन इलाकों में एयर इंडेक्स 459 से अधिक होने के कारण हवा की गुणवत्ता खतरनाक बनी हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार रविवार को प्रदूषण के स्तर में आंशिक कमी हो सकती है। लेकिन अभी प्रदूषण से ज्यादा राहत की संभावना नहीं है। इस वजह से अगले कुछ दिनों तक हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई

शनिवार सुबह दिल्ली का एयर इंडेक्स 417 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में है। इसके अलावा एनसीआर के शहरों में फरीदाबाद और गाजियाबाद में सुबह के वक्त एयर इंडेक्स 400 से अधिक होने के कारण हवा गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। इसके अलावा गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा और नोएडा का एयर इंडेक्स 300 से अधिक होने के कारण बेहद खराब श्रेणी में है।

इन इलाकों में सर्वाधिक प्रदूषण

दिल्ली में सुबह के वक्त नेहरू नगर का एयर इंडेक्स 455, पटपड़गंज का 461, सोनिया विहार का 456, जहांगीरपुरी का 464, विवेक विहार का 462, वजीरपुर का 457, बवाना का एयर इंडेक्स 461 रहा। इस वजह से इन इलाकों में प्रदूषण सबसे अधिक है।

इहबास में प्रदूषण सबसे कम

दिल्ली में इहबास में प्रदूषण सबसे कम है। वहां अभी एयर इंडेक्स 299 है जो खराब श्रेणी में है। इसलिए इहबास अस्पताल के आसपास की आबोहवा दिल्ली के अन्य इलाकों की तुलना में थोड़ी बेहतर है।

प्रदूषण के टूटे सारे रिकॉर्ड, दिल्ली का AQI 500 पार; इन 20 इलाकों में सांस लेना खतरनाक

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। दिल्ली के लगभग 20 इलाकों में एक्यूआई 400 से 500 के बीच में दर्ज किया गया है। इनमें पंजाबी बाग और पटपड़गंज सबसे आगे है।आलम यह है कि साल 2015 से लेकर अभी तक यह नवंबर नौ साल का सबसे प्रदूषित माह साबित होने जा रहा है।

नई दिल्ली। साल 2015 से लेकर अभी तक यह नवंबर नौ साल का सबसे प्रदूषित माह साबित होने जा रहा है। आलम यह है कि इस माह के 24 दिनों में से अभी तक एक भी दिन ऐसा नहीं रहा, जब दिल्ली का एक्यूआइ 200 से नीचे गया हो। मतलब, इस माह में दिल्ली वासी लगातार ''खराब'', ''बहुत खराब'', ''गंभीर'' या फिर ''अत्यंत गंभीर'' श्रेणी की हवा में सांस लेनी पड़ रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शनिवार सुबह दिल्ली का एक्यूआइ 500 तक पहुंच गया है। इस स्तर की हवा को ''गंभीर'' श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले शुक्रवार को यह 400 रहा था। चौबीस घंटे के भीतर इसमें 25 अंकों की बढ़ोतरी हुई है।

20 इलाकों की हवा सांस लेने लायक बिल्कुल नहीं

दिल्ली के बीस इलाके ऐसे हैं जहां का एक्यूआइ ''अत्यंत गंभीर'' श्रेणी में पहुंच गया है। यहां एक्यूआई 400 पार पहुंच चुका है। वहीं, कुछ इलाकों में एक्यूआई 470 पार कर चुका है। ये सभी इलाके ऐसे हैं जिनकी पहचान पहले से ही प्रदूषण के हाट स्पॉट के तौर पर की जाती है।

आनंद विहार- 460
अलीपुर- 446
बवाना- 468
बुराड़ी-427
करणी सिंह शूटिंग-416
द्वारका 437
आईजीआई एयरपोर्ट-423
जहांगीरपुरी-469
जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम-402
मेजर ध्यानचंद स्टेडियम-420
मंदिर मार्ग 417
वजीरपुर-464
विवेक विहार-471
सोनिया विहार-449
शादीपुर-401
नरेला-431
पटपड़गंज-462
पंजाबी बाग-463
आरके पुरम-430
नजफगढ़-404

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो की फ्लाइट भरेगी सबसे पहले उड़ान, साइन हुआ एमओयू

इस एयरपोर्ट के चालू होने की संभावना वर्ष 2024 के अंत तक की है। इसी बीच एनआईए और इंडिगो एयरलाइन्स के बीच एक एमओयू को भी साइन किया गया है। इस एमओयू में साइन किए जा चुके हैं। इस एमओयू के तहत इंडिगो एयरलाईंस की ही पहली फ्लाइट होगी जो जेवर एयरपोर्ट से उड़ान भरेगी।

नोएडा के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया जा रहा है। इस वर्ल्ड क्लास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कौन सी फ्लाइट सबसे पहले उड़ान भरेगी इसकी जानकारी सामने आ गई है। इस एयरपोर्ट से सबसे पहले इंडिगो एयरलाइन्स की फ्लाइट उड़ान भरेगी। इस एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस एयरपोर्ट के चालू होने की संभावना वर्ष 2024 के अंत तक की है। इसी बीच एनआईए और इंडिगो एयरलाइन्स के बीच एक एमओयू को भी साइन किया गया है। इस एमओयू में साइन किए जा चुके हैं। इस एमओयू के तहत इंडिगो एयरलाईंस की ही पहली फ्लाइट होगी जो जेवर एयरपोर्ट से उड़ान भरेगी। इसी के साथ इंडिगो इस एयरपोर्ट का लांच कैरियर बन गया है।

नोएडा में होगा दिल्ली-एनसीआर का तीसरा एयरपोर्ट

एनआईए और इंडिगो एयरलाईंस ने दिल्ली एनसीआर के तीसरे एयरपोर्ट पर उड़ान भरने के लिए साइन किए हैं। इस एमओयू के अनुसार उत्तर प्रदेश के अंदर और राज्यके बाहर फ्लाइटों को संचालित करने के लिए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी मजबूती और उत्साह के साथ काम करेगी। इस एयरपोर्ट के चालू होने से राज्य और देश के अन्य राज्यों के साथ कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। बता दें कि नोएडा एयरपोर्ट ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट है, जो दिल्ली से लगभग 75 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर स्थित जेवर में बन रहा है।

सौम्या विश्वनाथन मर्डर केस : अदालत ने चारों दोषियों को सुनाई उम्रकैद की सजा, पांचवें दोषी को तीन साल की जेल

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की अदालत ने टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या के मामले में चारों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इन दोषियों के नाम रवि कपूर अमित शुक्ला बलबीर मलिक और अजय कुमार हैं। इन सभी को मकोका के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने चारों दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है। मामले में पांच आरोपी थे जिसपर 2008 में पत्रकार की हत्या के आरोप थे।

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने साल 2008 में टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या के मामले में चारों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। ये सभी दोषी रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलबीर मलिक और अजय कुमार हैं। इन सभी को मकोका के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। पांचवें दोषी को तीन साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने पांचों दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है।

बता दें, साल 2008 में सौम्या विश्वनाथन जो कि एक पत्रकार थीं, उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह उस समय अपनी कार से घर लौट रही थीं। इस हत्याकांड में पांच लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिनमें चार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

दोषियों पर जुर्माना भी लगाया गया

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवींद्र कुमार पांडेय की अदालत ने सजा का ऐलान किया। रवि कपूर पर उम्रकैद के साथ आईपीसी 302 के तहत 25 हजार और मकोका के तहत एक लाख रुपये का जुर्माना, बलजीत मलिक को उम्रकैद के साथ आईपीसी की धारा 302 के तहत 25 हजार का जुर्माना और मकोका के तहत एक लाख रुपये का जुर्माना, अमित शुक्ला को उम्रकैद के साथ आईपीसी 302 के तहत 25 हजार का जुर्माना और मकोका के तहत एक लाख रुपये का जुर्माना, अजय कुमार को आईपीसी 302 के तहत 25 हजार का जुर्माना और मकोका के तहत एक लाख तक का जुर्माना लगा है।

पांचवें दोषी पर 7.25 लाख रुपये का जुर्माना

अदालत ने पांचवें दोषी अजय सेठी को तीन साल की जेल और आईपीसी की धारा 411 और मकोका के तहत 7.25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

व्यापार मेले में पत्थरों की दुनिया बता रही धरती का रहस्य, खनन मंत्रालय का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

खनन की दुनिया सिर्फ खोदाई करने तक सीमित नहीं है बल्कि उसके आगे भी है। धरती के गर्भ से निकले ऐसे पत्थर देखें जा सकते हैं कि घर की सजावट में भी चार चांद लगा देंगे। पत्थरों की प्राकृतिक चमक और उनकी सुंदरता देखकर समझा जा सकता है कि धरती के गर्भ में क्या- क्या चीजें हैं। मेले में खनन मंत्रालय के लगे स्टॉल लोगों को यह दिखा रहे हैं।

नई दिल्ली। धरती में क्या है ! किताबों में पढ़ने को काफी कुछ मिलता है, लेकिन इससे क्या-क्या बनता है और वह किस रूप में हम तक पहुंचता है यह जानना ज्यादा दिलचस्प है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले मे खनन मंत्रालय के लगे विभिन्न स्टाल लोगों को यह दिखा और बता रहे हैं। इसमें कॉपर, एल्युमीनियम से लेकर आपका टेलकॉम पाउडर किस पत्थर से बनता है, ये जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

खनन की दुनिया सिर्फ खोदाई करने तक सीमित नहीं

खनन की दुनिया सिर्फ खोदाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके आगे भी है। धरती के गर्भ से निकले ऐसे पत्थर देखें जा सकते हैं कि घर की सजावट में भी चार चांद लगा देंगे। पत्थरों की प्राकृतिक चमक और उनकी सुंदरता देखकर समझा जा सकता है कि धरती के गर्भ में क्या-क्या चीजें हैं।

कॉपर और एल्युमिनियम आपके जीवन में इलेक्ट्रिक चीजों से लेकर थाली व प्लेट तक किस पत्थर के कारण बनकर पहुंचते हैं, ये हिंदुस्तान कापर लिमिटेड (एचसीएल) व हिंदुस्तान एल्युमिनियम कंपनी (हिंडालको) के लगे स्टॉल बताएंगे।

पत्थर ऐसा नाखून फेर दीजिए तो लकीर बन जाएगी

थोड़ा आगे बढ़ेंगे तो भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) के स्टॉल पर आप अपने पत्थर (रत्न) की जांच कुछ ही मिनट में करा सकते हैं कि आपने असली या नकली पत्थर धारण किया है। इसके साथ ही आप उन पत्थरों से रूबरू होंगे, जो आपके रोजमर्रा के जीवन में किस आकार में आप तक पहुंचे हैं। इसमें टाल्क पत्थर है, इससे टेलकम पाउडर बनता है। विभिन्न कंपनियां इसमें एसेस मिलाकर सुगंधित करती हैं।

पत्थर की खासियत है कि इस पर नाखून फेर दीजिए तो लकीर बन जाएगी, लेकिन आपके नाखून को कोई क्षति नहीं होगी। इसे राजस्थान के भिलवाड़ा जिले के खान से यहां लाया गया है। हमारी रसोई में इस्तेमाल होने वाला कुकर एल्युमिनियम से बनता है, लेकिन ये जिस पत्थर से निकलता है उसका नाम बाक्साइड है। इसके टुकड़े आप हाथ में लेकर देख सकते हैं। इसी तरह मोबाइल में लगनी वाली बैट्री लीथियम से बनती है, यहां इसके पत्थर के टुकड़े को देखा जा सकता है। साथ ही खनन के बाद जमीन को किस तरह आबाद और हरा भरा किया जाता है, यह देख और समझ सकेंगे।

प्रदर्शित किए गए उल्कापिंड के टुकड़े

उल्कापिंड की दुनिया टूटते तारे को देखकर मन्नत सभी मांगते हैं लेकिन, ये कभी-कभी धरती पर भी गिरते हैं। भूवैज्ञानिकों ने इसके टुकड़ों की देशभर से एकत्र किया है। प्रदर्शनी मे कई तरह के उल्कापिंड रखे गए हैं। इसमें क्या-क्या है और कहां से लाया गया है, इसे भी जान सकते हैं।

शुक्रवार को मेले में पहुंचे 80 हजार से ज्यादा दर्शक

फ्राइडे रहा फन डे। जी हां ! प्रगति मैदान में चल रहे 42वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले मे शुक्रवार को भी तक की सबसे अधिक भीड़ पहुंची। मेला आयोजक आइटीपीओ के अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार को मेला घूमने के लिए 80 हजार से अधिक लोग प्रगति मैदान आए।

डीडीए हाउसिंग स्कीम: पहले ही दिन DDA की वेबसाइट ने दिया लोगों को धोखा, पहले दिन हुए सिर्फ 500 पंजीकरण

दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) की नई आवासीय योजना (DDA Housing Scheme) को लोगों को अच्छा रिस्पांस मिला है। योजना के पहले ही दिन (रात नौ बजे तक) 500 पंजीकरण हो गए। यह बात अलग है कि डीडीए की वेबसाइट भी दिन भर लोगों को धोखा देती रही। पंजीकरण के लिए वेबसाइट खोलने की कोशिश कर रहे लोगों को कई बार निराशा का सामना करना पड़ा वेबसाइट नहीं खुली।

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) की नई आवासीय योजना (DDA Housing Scheme) को लोगों को अच्छा रिस्पांस मिला है। योजना के पहले ही दिन (रात नौ बजे तक) 500 पंजीकरण हो गए। यह बात अलग है कि डीडीए की वेबसाइट भी दिन भर लोगों को धोखा देती रही। पंजीकरण के लिए वेबसाइट खोलने की कोशिश कर रहे लोगों को कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, वेबसाइट नहीं खुली।

इन फ्लैट्स के लिए हो रहा है पंजीकरण

डीडीए अधिकारियों का कहना है कि योजना को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। पंजीकरण के आंकड़े में तेजी से वृद्धि हो रही है। आने वाले दिनों में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। फिलहाल द्वारका सेक्टर 19, द्वारका सेक्टर 14, लोकनायकपुरम में ईडब्ल्यूएस फ्लैट, द्वारका सेक्टर 14 में एलआइजी फ्लैट और नरेला में ईडब्ल्यूएस, एलआइजी, एमआइजी और एचआइजी फ्लैट के लिए पंजीकरण हो रहा है।

उन्होंने बताया कि 12 दिसंबर से इन फ्लैटों की बुकिंग शुरू हो जाएगी और सारी आवेदन प्रक्रिया मार्च तक खत्म हो जाएगी।

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर मिलेगा फ्लैट

अधिकारियों ने आगे बताया कि पहले चरण में मांग के आधार पर विभिन्न श्रेणी के कुल 30,000 से अधिक फ्लैट किस्तों में पेश किए जाएंगे। ये फ्लैट पहले आओ पहले पाओ के तहत पंजीकृत होंगे। अभी पांच हजार फ्लैट डाले गए हैं। 30 नवंबर के बाद दूसरे चरण में 2500 से ज्यादा फ्लैट होंगे। ये नीलामी के आधार पर मिलेंगे। इस प्रकार दोनों चरण मिलाकर कुल 32 हजार से ज्यादा फ्लैट होंगे।

अधिकारियों ने बताया कि पंजीकरण के लोगों को बुकिंग के लिए जो लगभग 20 दिन का समय दिया गया है, इसमें वे फ्लैट जाकर देख सकते हैं। ई-नीलामी वाले फ्लैटों में एमआइजी, एचआइजी, सुपर एचआइजी और पेट हाउस शामिल हैं। इनमें द्वारका सेक्टर-19 बी में बने पेट हाउस, एचआइजी, सुपर एचआइजी शामिल हैं। इनमें से कई फ्लैटों से गोल्फ व्यू भी मिलेगा। वहीं द्वारका सेक्टर-14 में 316 एमआइजी एवं लोक नायक पुरम में 647 एमआइजी फ्लैट्स भी योजना का हिस्सा होंगे।

वहीं, पहले चरण के 28 हजार फ्लैटों में द्वारका सेक्टर-19 बी में 728 ईडब्ल्यूएस फ्लैट, सेक्टर-14 में 316 एलआइजी फ्लैट और 1008 ईडब्ल्यूएस फ्लैट शामिल हैं। लोकनायक पुरम में 224 ईडब्ल्यूएस फ्लैट शामिल हैं।

गाजियाबाद में छह हजार फैक्ट्रियों, होटलों और फार्म हाउसों पर आई मुसीबत, बंद होंगी बोरिंग; जानिए क्या है वजह

भू-गर्भ जल का स्तर लगातार नीचे गिरने की वजह से गाजियाबाद जिला रेड जोन में शामिल हो चुका है। ऐसे में अवैध रूप से जल दोहन करने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने ऐसी छह हजार फैक्ट्रियों को चिह्नित कर जिला भूगर्भ परिषद जल प्रबंधन समिति को सूची सौंपी है।

गाजियाबाद। भू-गर्भ जल का स्तर लगातार नीचे गिरने की वजह से गाजियाबाद जिला रेड जोन में शामिल हो चुका है। ऐसे में अवैध रूप से जल दोहन करने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने ऐसी छह हजार फैक्ट्रियों को चिह्नित कर जिला भूगर्भ परिषद जल प्रबंधन समिति को सूची सौंपी है।

समिति ने इन फैक्ट्रियों का सर्वे कर बोरवेल बंद कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अंधाधुंध भूगर्भ जल दोहन से गाजियाबाद जिले में जलस्तर प्रति वर्ष करीब ढाई से तीन मीटर नीचे जा रहा है। बिना अनुमति के ही औद्योगिक इकाइयां, छोटे-बड़े करीब एक हजार होटल, रेस्टोरेंट, फार्म हाउस आदि में बोरवेल से भूजल दोहन हो रहा है। यही वजह है कि भूजल का स्तर रेड जोन में पहुंच चुका है।

गिरते भूजल स्तर ने बढ़ाई चिंता

गिरता भूजल स्तर पूरे जिले के लोगों के लिए चिंता का विषय है। जिले में लगभग 27 हजार छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां पंजीकृत हैं। इनमें से छह हजार इकाइयों की सूची यूपीसीडा ने जल प्रबंधन समिति को सौंपी है। समिति ने अब इन इकाइयों में लगे बोरवेल का सर्वे कर रही है। इन इकाइयों को नोटिस जारी किया जाएगा। यदि फिर भी बोरवेल चलते हैं तो उन्हें सील और एफआइआर दर्ज कराई जाएगी। माना जा रहा है कि यह वे इकाइयां हैं, जहां सर्वाधिक जल दोहन हो रहा है। 15 दिसंबर तक सर्वे पूरा होने की उम्मीद है।

गाजियाबाद में फैक्ट्रियां

27 हजार कुल औद्योगिक इकाइयां
52 सौ छोटी औद्योगिक इकाइयां
149 मध्यम औद्योगिक इकाइयां
45 बड़ी औद्योगिक इकाइयां
21 हजार से अधिक सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयां

बिना एनओसी के लोग भूगर्भ जल का दोहन कर रहे हैं। छह हजार औद्योगिक इकाइयों का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे करने के लिए यह सूची यूपीसीडा से ली गई है। इसके बाद कार्रवाई शुरू की जाएगी।

-हरिओम, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई विभाग

एटीएस सोसायटी के गार्डन में मिला महिला का शव, सिर और कंधे पर चोट के निशान; लोग महिला से पहचान से अनजान

साहिबाबाद के इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एटीएस सोसायटी में गेट नंबर पांच के पास गार्डन में शनिवार सुबह एक महिला का शव मिला। महिला के सिर और कंधे पर चोट के निशान हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शुरुआती जांच में पुलिस महिला के ऊपर से गिरने का अंदेशा जाता रही है।

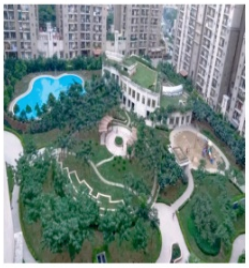

गाजियाबाद। साहिबाबाद के इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एटीएस सोसायटी में गेट नंबर पांच के पास गार्डन में शनिवार सुबह एक महिला का शव मिला। महिला के सिर और कंधे पर चोट के निशान हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शुरुआती जांच में पुलिस महिला के ऊपर से गिरने का अंदेशा जाता रही है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। लोगों से भी महिला के बारे में जानकारी की जा रही है।

नोएडा-ग्रेनो में DBT के इंतजार में हैं 21 हजार छात्र, बिना ड्रेस, बैग और जूते-मोजे के स्कूल आने को मजबूर बच्चे

यूपी के शो विंडो कहे जाने वाले जिले में सरकारी योजना का लाभ परिषदीय स्कूलों के छात्रों को नहीं मिल रहा है। शिक्षा माफिया की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने छात्रों के अभिभावकों के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से ड्रेस बैग जूते मोजे और अन्य सामग्री खरीदने के लिए 1200 रुपये भेजने का निर्णय लिया था।

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश के शो विंडो कहे जाने वाले जिले में सरकारी योजना का लाभ परिषदीय स्कूलों के छात्रों को नहीं मिल रहा है। शिक्षा माफिया की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने छात्रों के अभिभावकों के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से ड्रेस, बैग, जूते-मोजे और अन्य सामग्री खरीदने के लिए 1200 रुपये भेजने का निर्णय लिया था। लेकिन इस योजना का लाभ छात्रों को नहीं मिल पा रहा है।

जिले के चारों ब्लॉक के परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 21 हजार छात्रों के अभिभावकों के खातों में 1200 रुपये नहीं पहुंचे है। वर्तमान सत्र के करीब आठ महीने बीत जाने के बाद भी छात्रों को ड्रेस, जूते-मोजे और स्टेशनरी के रुपये नहीं मिले हैं। पिछले सत्र में भी करीब 10 हजार छात्र योजना से वंचित रह गए थे।

उसके बाद भी विभाग के अधिकारियों ने सबक नहीं लिया। डीबीटी के माध्यम से रुपये नहीं आने के कारण छात्रों को बिना ड्रेस के स्कूल आना पड़ रहा है।

विभाग से मिली सूचना के अनुसार, सबसे अधिक बिसरख ब्लॉक के छात्र योजना से वंचित है। करीब 16 हजार छात्रों का अभी बैच ही नहीं बनाया गया है। इसके साथ ही 3500 छात्रों के अभिभावकों के खाते बैंक से सीडेड नहीं है। स्कूलों में आधार कार्ड बनने का दावा करने वाले विभाग की पोल करीब 1500 छात्र खोल रहे है।

योजना को गंभीरता से नहीं ले रहा विभाग

प्रदेश सरकार की ओर से शुरु की गई डीबीटी योजना को विभाग की ओर से गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। गंभीरता से नहीं लिए जाने से गरीब छात्रों को काफी नुकसान हो रहा है। हाल ही में महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को लापरवाही करने वाले कर्मियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। उसके बाद भी स्थिति खराब है।

सर्दी में बिना स्वेटर पहुंचेंगे छात्र

परिषदीय स्कूलों के छात्रों के हिसाब से सर्दी का मौसम शुरु हो गया है, लेकिन अभिभावकों के खातों में 1200 रुपये नहीं आने के कारण वह बिना स्वेटर, जूते, मोजे के स्कूल पहुंच रहे है। कई स्कूलों में करीब 30 से 40 प्रतिशत छात्रों के पास स्कूल की ड्रेस तक नहीं है। वह कलर ड्रेस में स्कूल पहुंच रहे है।

अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 1200 रुपये पहुंच रहे है। कई अभिभावकों के खाते बंद होने के कारण दिक्कत आ रही है। इस माह के आखिरी तक सभी छात्रों को योजना का लाभ मिल जाएगा।

-ऐश्वर्या लक्ष्मी, बेसिक शिक्षा अधिकारी

नोएडा में दर्दनाक हादसा, लोग बनाते रहे वीडियो... और कार में जिंदा जल गए दो लोग

सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटिनम सोसायटी के बाहर कार में आग लगने से दो लोग जिंदा जल गए। सूचना पर पहुंची सेक्टर-113 कोतवाली पुलिस की टीम ने फायर ब्रिग्रेड की मदद से आग को बुझाया है। कार से दो व्यक्तियों के शव को निकाला गया है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। जांच करके अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कार के साथ मृतकों की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

नोएडा। सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटिनम सोसायटी के बाहर कार में आग लगने से दो लोग जिंदा जल गए। सूचना पर पहुंची सेक्टर-113 कोतवाली पुलिस की टीम ने फायर बिग्रेड की मदद से आग को बुझाया है। कार से दो व्यक्तियों के शव को निकाला गया है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है।

जांच करके अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कार के साथ मृतकों की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। कार की नंबर प्लेट क्षतिग्रस्त होने के कारण पहचान में परेशानी हो रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सूचना के मुताबिक शनिवार सुबह करीब छह बजे आम्रपाली प्लेटिनम सोसायटी के बाहर सड़क किनारे खड़ी कार आग लगने के बाद ऑटोमेटिक लॉक हो गई। कार में बैठे लोगों ने निकलने करा प्रयास किया, लेकिन कामयाब नहीं रहे। कार में बैठे लोगों को इस बात की आस थी कि बाहर से गेट तोड़कर उनको कोई निकालेगा, जबकि वहां मौजूद लोग इस डर से कार से दूर रहे कि कहीं धमाका न हो जाए।

लोगों ने बनाई हादसे की वीडियो

हादसे के बाद वहां पर खड़े कई लोग वीडियो बनाने लगे तो कुछ ने समझदारी दिखाकर पुलिस को सूचना दी, लेकिन जब तक आग बुझाई जाती दोनों की मौत हो चुकी थी। ऐसे में अगर लोगों की ओर से मदद की कवायद की जाती तो शायद तस्वीर कुछ और होती। समय पर मदद मिलने से उनकी जान बचाई जा सकती थी।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचने के बाद वीडियो बनाने व तमाशा देखने वालों को दूर किया। आग बुझने के बाद गेट को तोड़कर दो के शवों को बाहर निकाला गया।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

विशेषज्ञ बताते हैं कि कार में आग लगना एक हादसा है जो कभी भी किसी के भी साथ हो सकता है। इस स्थिति से बचने के लिए आपको अपने पास कार में कैंची, अग्निशमन यंत्र और हथौड़ी जरूर रखनी चाहिए। कैंची की मदद से आप फौरन अपनी सीट बेल्ट को काट सकते हैं। हथौड़ा से कार के शीशे तोड़ सकते हैं और अग्निशमन यंत्र की मदद से आग पर काबू पाकर बाहर निकल सकते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री के लिए अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करने वाले राजनेताओं ने अपनी साख गंवाई

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद राजस्थान में चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ 'पनौती' जैसे आपत्तिजनक, विवादित एवं अपशब्द का इस्तेमाल किया था।

ललित गर्ग

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गयी 'पनौती' (अपशकुन), जेबकतरा एवं कर्ज माफी जैसी अशोभनीय टिप्पणियों के कारण निशाने पर हैं। चुनाव आयोग (ईसी) ने हालिया टिप्पणियों के लिए राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज की गई एक शिकायत का संज्ञान लेते हुए की गयी है। चुनाव आयोग ने जहां पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की वही भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए 'अशोभनीय' है। पिछले लम्बे दौर से विश्वनेता के रूप में प्रतिष्ठित देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दर्शन, उनके व्यक्तित्व, उनकी बढ़ती ख्याति, उनकी बहुआयामी योजनाओं व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछाल रहे हैं। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में विपक्षी नेताओं और विशेषतः कांग्रेस नेताओं ने अमर्यादित, अशिष्ट, छिछालेदार भाषा का उपयोग कर राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है। विडम्बना देखिये कि मोदी को गालियां देकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करने वाले राहुल गांधी इसका खामियाजा भी भुगतते रहे हैं, लेकिन राजनीतिक अपरिक्क्वता के कारण वे कोई सबक लेने का तैयार नहीं है।

निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता नेताओं को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से रोकती है। लेकिन राहुल गांधी ने राजस्थान में हाल की रैलियों में प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उनके लिए 'पनौती', जेबकतरे और अन्य विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राहुल गांधी के ये अशोभनीय एवं मर्यादाहीन बयान क्या रंग लायेगा, यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र के लिये देश के प्रधानमंत्री के लिये इस तरह के निम्न, स्तरहीन एवं अमर्यादित शब्दों का प्रयोग होना, एक विडम्बना है, एक त्रासदी है, एक शर्मनाक स्थिति है। केवल कांग्रेस ही नहीं, अन्य राजनीतिक दल के नेता भी ऐसी अपरिपक्वता एवं अशालीनता का परिचय देते रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में उद्योगपतियों को चौदह लाख करोड़ रुपये की छूट देने के आरोप भी सत्यता से परे, तथ्यहीन, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले हैं। 'जेबकतरे' शब्द का प्रयोग करते हुए आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री लोगों का ध्यान भटकाते हैं। जबकि उद्योगपति गौतम अडानी उनकी (लोगों की) जेब से पैसे निकालते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेबकतरे इसी तरह काम करते हैं। आयोग ने राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बारे में भी बताया जिसमें कहा गया था कि अगर संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की जाती है तो प्रतिष्ठा के अधिकार को भी अनुच्छेद 21 में संरक्षित जीवन के अधिकार का एक अभिन्न हिस्सा माना जाता है। इन दो अधिकारों को संतुलित करना एक संवैधानिक आवश्यकता है। लेकिन राहुल गांधी को यह संतुलन साधना कहा आता है?

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद राजस्थान में चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ 'पनौती' जैसे आपत्तिजनक, विवादित एवं अपशब्द का इस्तेमाल किया था। यह एक शब्दभर नहीं है, बल्कि अनेक कुटिलताओं की अभिव्यक्ति है, 'पनौती' मोटे तौर पर ऐसे शख्स के लिये उपयोग किया जाता है, जिसकी मौजूदगी होने भर से बनता काम बिगड़ जाता है। आम तौर पर पनौती शब्द ऐसे व्यक्ति के लिए इंगित किया जाता है जो बुरी किस्मत लाता है। वैसे इसका किसी ज्ञान-विज्ञान और तर्क से नाता नहीं है। जाने-माने भाषाविद् डॉक्टर सुरेश पंत के मुताबिक, हिंदी में -औती प्रत्यय से अनेक शब्द बनते हैं। इनमें कटौती, चुनौती, मनौती, बपौती इत्यादि शामिल हैं। पनौती शब्द नकारात्मकता एवं अशुभता का सूचक है। पनौती को शनि की बुरी दशा का समय माना जाता है। इसका मतलब बाढ़ भी होता है। पनौती तमिल शब्द पन्नादाई का अपभ्रंश भी है। इसका मतलब होता है 'एक ढीला बुना हुआ कपड़ा' या 'मूर्ख'।

बात केवल राहुल गांधी की ही नहीं है, कौन भूल सकता है सोनिया गांधी का वह बयान, जिसने वास्तव में गुजरात की जनता को झकझोर कर रख दिया था। तब सोनिया ने गुजरात के तत्कालीन और बेहद लोकप्रिय मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मौत का सौदागर' बताया था। सोनिया ने कहा था, "मेरा पूरा भरोसा है कि आप ऐसे लोगों को मंजूर नहीं करेंगे जो जहर के बीज बोते हैं।" 'मौत का सौदागर' के बाद 'जहर की खेती' के इस बयान ने गुजरात ही नहीं, देश की जनता की भावना को जगा दिया। नतीजा लोकसभा चुनाव के परिणाम के रूप में सामने आया, जिसमें बीजेपी को 278 और कांग्रेस को 45 सीटें मिलीं। जनता को बेवकूफ एवं नासमझ समझने की भूल कांग्रेस बार-बार करती रही है और बार-बार मात खाती रही है। इन चुनावों में भी ऐसी मात खाने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। क्योंकि जनता अपने सर्वोच्च नेतृत्व को मर्यादाहीन तो कत्तई नहीं देखना चाहती। कभी पूर्व कैबिनेट मंत्री मणिशंकर अय्यर मोदी को 'नीच' तक कह देते हैं तो राहुल तो सर्जिकल स्ट्राइक पर 'खून की दलाली' जैसे आरोप लगाते रहे हैं।

नोटबंदी को लेकर जहां पूरा देश नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा था, तब विपक्ष को काले कारोबारियों के साथ खड़ा होने में जरा भी शर्म नहीं आई। विपक्ष ने दुनिया के कुख्यात रहे तानाशाह हिटलर, मुसोलिनी, कर्नल गद्दाफी से प्रधानमंत्री मोदी की तुलना कर डाली। इस तरह के स्तरहीन, ओछे एवं अमर्यादित बयानों से न केवल विपक्ष दलों के नेताओं बल्कि कांग्रेस पार्टी की न केवल फजीहत होती रही है, बल्कि उसकी बौखलाहट को दर्शाती रही है। इस तरह के लोग राजनीति में जगह बनाने के लिये ऐसी अनुशासनहीनता एवं अशिष्टता करते हैं। राहुल के इस तरह के ओछे, स्तरहीन एवं अशालीन शब्दों के प्रयोग का एक लम्बा सिलसिला है। मोदी पर गाली की बौछार में कभी उनको सांप, बिच्छू और गंदा आदमी कहा गया था। तो कभी लहू पुरुष, पानी पुरुष और असत्य का सौदागर भी बताया। सत्ता के शीर्ष पर बैठकर यदि इस तरह जनतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाता है तो वहां लोकतंत्र के आदर्शों की रक्षा नहीं हो सकती। राजनैतिक लोगों से महात्मा बनने की आशा नहीं की जा सकती, पर वे अशालीनता एवं अमर्यादा पर उतर आये, यह ठीक नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरा ईश्वर दरिद्र-नारायणों में रहता है।' आज यदि उनके भक्तों-कांग्रेसजनों से यही प्रश्न पूछा जाये तो संभवतः यही उत्तर मिलेगा कि हमारा ईश्वर कुर्सी में रहता है, सत्ता में रहता है। तभी उनमें अच्छाई-बुराई न दिखाई देकर केवल सत्तालोलुपता दिखती है।

ये तथाकथित नेता गाली ही नहीं देते रहे, बल्कि गोली तक की भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। लेकिन कोई गाली या गोली मोदी का बाल भी बांका नहीं कर सकेंगी क्योंकि वे जनसमर्थन से इन ऊंचाइयों को पाया है। मोदी को तो बोटी-बोटी काट देने की धमकी खुलेआम दी गयी। किसी ने मोदी को रैबिज से पीड़ति बताया तो किसी ने उन्हें केवल चूहे मात्र माना। चायवाले से तो वे चर्चित हैं। लेकिन मोदी के व्यक्तित्व की ऊंचाई एवं गहराई है कि उन्होंने अपने विरोध को सदैव विनोद माना। मोदी को बार-बार कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। चुनाव का समय हो या सामान्य कार्य के दिवस मोदी ने कम गालियां नहीं खाई। उनके विचारों को, कार्यक्रमों को, देश के लिये कुछ नया करने के संकल्प को बार-बार मारा जा रहा है। लेकिन मोदी भारत की आजादी के बाद बनी सरकारों के अकेले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। क्योंकि मोदी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा है, राष्ट्र-निर्माण है। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य है। वे सम्पूर्ण भारतीयता की अमर धरोहर हैं। भ्रष्टाचार उन्मूलन, कालेधन पर शिकंजा कसने, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने, नया भारत निर्मित करने, स्वच्छता अभियान, दुनिया की सशक्त तीसरी आर्थिक ताकत बनाने, दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर रखा है। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना है। चुनावी बिसात बिछते ही या फिर वर्तमान राजनीति में जिस प्रकार से भाषा की मर्यादाएं टूट रही हैं और हमारे राजनेताओं का जो आचरण सामने आ रहा है, उसे कहीं से भी हमारे लोकतंत्र, राजनीति, सभ्य समाज या हमारी युवा पीढ़ी के लिए आदर्श स्थिति नहीं कहा जा सकता।

अपकमिंग Royal Enfield Shotgun 650 कितनी खास? Motoverse 2023 में हुई पेश

Royal Enfield Shotgun 650 शॉटगन 650 एक बॉबर-स्टाइल मोटरसाइकिल है और इंटरसेप्टर कॉन्टिनेंटल जीटी और सुपर मीटियर 650 के बाद 650cc प्लेटफॉर्म पर आधारित चौथा मॉडल है। शुरुआत में रॉयल एनफील्ड हाथ से पेंट की गई लिवरियों में 25 इकाइयों का निर्माण करेगा। इन्हें मोटोवर्स इवेंट में उपस्थित 25 लोगों को 4.25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर बेचा जाएगा।

नई दिल्ली। Motoverse 2023 में Royal Enfield ने Shotgun 650 को पेश कर सभी को चौका दिया है। क्योंकि लोगों की निगाहें केवल रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 पर थी जहां गोवा में आयोजित हुए इस इवेंट में इस बाइक की कीमतों का खुलासा होने वाला था। Royal Enfield Shotgun 650 इस काफी चर्चा में है। इसलिए इस खबर के माध्यम से आपको बताएंगे कैसी है Royal Enfield Shotgun 650 बाइक।

कितनी होगी कीमत?

शॉटगन 650 एक बॉबर-स्टाइल मोटरसाइकिल है और इंटरसेप्टर, कॉन्टिनेंटल जीटी और सुपर मीटियर 650 के बाद 650cc प्लेटफॉर्म पर आधारित चौथा मॉडल है। शुरुआत में रॉयल एनफील्ड हाथ से पेंट की गई लिवरियों में 25 इकाइयों का निर्माण करेगा। इन्हें मोटोवर्स इवेंट में उपस्थित 25 लोगों को 4.25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर बेचा जाएगा।

Shotgun 650 features

शॉटगन 650 में एक गोलाकार एलईडी हेडलैंप और एक ट्विन-पॉड इंस्ट्रूमेंट कंसोल है। इसमें बार-एंड मिरर और कटे हुए रियर फेंडर के साथ सिंगल सीट है। इवेंट में जो बाइक पेश की गई वो लाइट नीले कलर में काफी चमकदार दिख रही है।

इन टिप्स को अपनाकर आराम से बढ़ा सकते हैं बाइक की माइलेज, बस भूलकर भी न करें ये गलतियां

बाइक चलाते समय कुछ ऐसी गलती कर जाते हैं जिसके कारण उनके बाइक की माइलेज कम हो जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिसे जानकर आप आराम से अपने बाइक के माइलेज को बढ़ा सकते हैं।स्मार्ट एक्सेलरेशन और ब्रेकिंग स्विचिंग ऑफ इंजन से माइलेज पर असर पड़ता है।अगर आप कम टायर प्रेशर पर बाइक चलाएंगे तो माइलेज कम हो जाएगी।

नई दिल्ली। इंडियन मार्केट में टू -व्हीलर की डिमांड काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। कई लोगों की पहली पसंद बाइक होती है। बजट सेगमेंट में जो बाइक खरीदते हैं वो सबसे अधिक माइलेज पर ध्यान देते हैं। लेकिन कई बार लोग बाइक चलाते समय कुछ ऐसी गलती कर जाते हैं जिसके कारण उनके बाइक की माइलेज कम हो जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिसे जानकर आप आराम से अपने बाइक के माइलेज को बढ़ा सकते हैं।

बाइक का रखरखाव

हमेशा अपनी बाइक की सर्विसिंग समय पर करवाएं। तभी आपकी बाइक की परफॉर्मेंस अच्छी रहेगी। इसके कारण माइलेज अच्छी मिलती है। इसके साथ ही आपको ये ध्यान देना है कि एयर फिल्टर, टायर प्रेशर और इंजन ऑयल भी ठीक रहे।

स्मार्ट राइडिंग

आपके राइडिंग के ऊपर भी माइलेज निर्भर करता है। सही राइडिंग तकनीक के कारण माइलेज अच्छी मिलती है। स्मार्ट एक्सेलरेशन और ब्रेकिंग, स्विचिंग ऑफ इंजन से माइलेज पर असर पड़ता है।

सही टायर प्रेशर

जब भी आप घर से बाहर निकले तो एक बार अपनी बाइक के टायर प्रेशर की जांच जरूर करें। अगर आप कम टायर प्रेशर पर बाइक चलाएंगे तो माइलेज कम हो जाएगा। इसलिए बाइक में टायर प्रेशर ठीक हो ये जरूर देखें। तभी आपकी बाइक माइलेज अच्छा देगी।

ओवरस्पीडिंग से बचें

ओवरस्पीडिंग खतरनाक होती है। जिसके कारण माइलेज पर असर पड़ता है। इसके कारण फ्यूल भी अधिक खर्च होता है, इससे माइलेज घट भी जाता है। इसलिए हमेशा सेफ स्पीड पर ही चलाएं।

सही गियर में चलाएं

बाइक चलाते समय सही गियर का इस्तेमाल जरूर करें। इसके कारण माइलेज अच्छी मिलती है। इसलिए हमेशा सही गियर का इस्तेमाल करें। इससे इंजन भी बढ़िया से काम करता है और फ्यूल की खपत कम होती है।

इलेक्ट्रिक कार की सर्विस कराने जाएं तो जरूर रखें इन बातों का ख्याल, बीच रास्ते में नहीं होंगे परेशान

आज हम आपको इस खबर के माध्यम से ये बताने जा रहे हैं कि आप जब भी अपने इलेक्ट्रिक कार की सर्विस कराने जाएं तो किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए जिससे आप आराम से कार की सर्विसिंग करा सकें और बीच रास्ते में भी आपको किसी चीज की परेशानी न हो। अगर कार की बैटरी ठीक रहेगी तो इसकी रेंज भी ठीक रहेगी।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इस समय इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड तेजी से बढ़ते जा रही है। वहीं वाहन निर्माता कंपनियां भी लोगों के बजट में कारें लॉन्च कर रही है। इस समय मार्केट में कई ईवी वाहन मौजूद है। सुविधाओं को देखते हुए लोग इलेक्ट्रिक कारों की ओर रुख कर रहे हैं। ईवी की कारों को समय-समय पर सर्विस की जरूरत होती है। जिस तरह से पेट्रोल और डीजल की गाड़ियों को सर्विसिंग की जरुरत होती है वैसे ही इलेक्ट्रिक वाहनों को भी सर्विसिंग की जरुरत होती है। इसलिए इनका भी समय-समय पर ध्यान रखना चाहिए।

टायर रोटेशन का ध्यान रखें

जिस तरह से पेट्रोल और डीजल की गाड़ियों में टायर रोटेशन होता है कुछ उसी तरह से सर्विस के दौरान इलेक्ट्रिक कारों के भी टायर का रोटेशन जरूरी है। आपको बता दें, अन्य कारों के अपेक्षा इनके टायरों की सर्विस करना अधिक जरूरी है क्योंकि इसकी बैटरी बड़ी और भारी होती है। जिसके कारण कार का वजन भी अधिक होता है। जो सीधा कार के टायर पर आता है। इसलिए टायर रोटेशन कराना ना भूले

कूलेंट सर्विस जरूर कराएं

आपकी जानकारी के लिए बता दें, इलेक्ट्रिक कारों में इंजन नहीं होता है फिर भी उसमें कूलेंट की जरुरत होती है। इसलिए कूलेंट पर भी ध्यान दें। कूलेंट के कारण कार की बैटरी ठंडी रहती है। इसलिए सर्विस के दौरान कूलेंट बदलवा लें।

बैटरी की सर्विस पर दें अधिक ध्यान

इलेक्ट्रिक कार की सबसे जरूरी पार्ट उसकी बैटरी होती है। अगर आप इसकी देखभाल में कोई कमी करेंगे तो बीच रास्ते में आपको कई परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए कार के बैटरी का खास ख्याल रखें। वहीं अगर कार के बैटरी में कोई खराबी आपको लग रही है तो उसे तुरंत सर्विस के लिए ले जाएं। अगर कार की बैटरी ठीक रहेगी तो इसकी रेंज भी ठीक रहेगी।

हर महीने मारुति की सबसे अधिक बिकने वाली कार वैगन आर में जानें क्या कुछ खास, कीमत 5.54 लाख रुपये से शुरू

अक्टूबर में मारुति वैगनआर की 22080 यूनिट्स सेल हुई है। मार्केट में इस कार की कीमत 5 .54 लाख रुपये से 7 .42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इसमें दो पेट्रोल इंजन का ऑप्शन मिलता है। इस कार में कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसमें 4-स्पीकर म्यूजिक सिस्टम स्टीयरिंग माउंटेड ऑडियो और फोन कंट्रोल्स ड्यूल फ्रंट एयरबैग्स ईबीडी के साथ एबीएस भी मिलता है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। मारुति की सबसे अधिक बिकने वाली कार वैगनआर है। मार्केट में ये आज से ही नहीं कई समय से राज करते आ रही है। जिसके कारण हर महीने ब्रिकी के मामले में मारुति पहले नंबर पर रहती है। अगर बात अक्टूबर की करें तो मारुति वैगनआर की 22,080 यूनिट्स सेल हुई है। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से ये बताने जा रहे हैं कि आखिर इस कार में इतना क्या कुछ खास है कि हर महीने इसकी ब्रिकी इतनी अधिक है।

Maruti Wagon R कीमत और इंजन

मार्केट में इस कार की कीमत 5.54 लाख रुपये से 7.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इसमें दो पेट्रोल इंजन का ऑप्शन मिलता है। पहला 1 लीटर पेट्रोल में इंजन 67पीएस और 89एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं दूसरा 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन 90पीएस और 113एनएम जनरेट करता है। इसके साथ ही इसमें सीएनजी का ऑप्शन भी मिलता है। इसके इंजन को 5 स्पीड मैनुअल के साथ जोड़ा गया है। वहीं पेट्रोल वर्जन में 5-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन भी मिलता है। वहीं सीएनजी में ये 34.05km तक का माइलेज दे सकती है।

Maruti Wagon R फीचर्स

इस कार में कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसमें 4-स्पीकर म्यूजिक सिस्टम, स्टीयरिंग माउंटेड ऑडियो और फोन कंट्रोल्स, ड्यूल फ्रंट एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, 14 इंच अलॉय व्हील और रियर पार्किंग सेंसर, 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, मल्टी फंक्शन स्टीयरिंग व्हीलपावर, एडजस्टेबल एक्सटीरियर रियर व्यू मिररटचस्क्रीन एंटी-लॉक, ब्रैंकिंग सिस्टमअलॉय, व्हीलफॉग, लाइट्स - फ्रंटपावर, विंडो रियरपावर, विंडो फ्रंट व्हील, कवर्सपैसेंजर, एयरबैग भी मिलता है।

घोषणापत्रों से गायब है भ्रष्टाचार का मुद्दा

योगेंद्र योगी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा वायदों की लोकलुभावन घोषणाओं के बीच से भ्रष्टाचार का मुद्दा गायब है...

विपक्षी दल दुर्भावना से कार्रवाई का आरोप लगाने तक सीमित हैं। भ्रष्टाचार से निपटने का उपाय कोई राजनीतिक दल नहीं देता। इसके अलावा कांग्रेस और विपक्षी दल चुनावी राज्यों में भी यह नहीं बता रहे हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में उनकी नीति क्या रहेगी। इस मुद्दे को चुनावी घोषणा पत्र में शामिल नहीं किया। यह निश्चित है कि जब तक गैर भाजपा दल भ्रष्टाचार को लेकर कोई सार्वजनिक नीति बनाकर कार्रवाई की दृढ़ता नहीं दिखाएंगे, तब तक शक की सुई उनकी तरफ घूमती रहेगी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा वायदों की लोकलुभावन घोषणाओं के बीच से भ्रष्टाचार का मुद्दा गायब है। विशेषकर गैर भाजपा दलों ने भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाना जरूरी नहीं समझा। किसी भी विपक्षी दल ने चुनावी घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार मिटाने का जिक्र तक नहीं किया, जबकि भाजपा सरेआम भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साध रही है। विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ बदनीयती से ईडी और सीबीआई की कार्रवाई के जरिए चुनावी फायदे का आरोप लगा रहे हैं, किन्तु यह नहीं बता रहे कि भ्रष्टाचार आखिर खत्म कैसा होगा। नेशनल हैराल्ड के मामले में सोनिया गांधी और खडग़े के खिलाफ कार्रवाई के मामले में कांग्रेस ने भाजपा पर ईडी और सीबीआई से डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। चुनावी सभाओं में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अडानी-अंबानी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि राहुल गांधी सहित कांग्रेस और किसी भी विपक्षी दल के नेता ने अभी तक इन आरोपों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी। गौरतलब है कि जनहित रिट याचिकाओं के जरिए पूर्व में भ्रष्टाचार के मामलों में अदालतों ने कई बड़े निर्णय दिए हैं। फ्रांस से लिए युद्धक विमान राफेल में भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया था। इसी तरह विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो के खिलाफ दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इन दोनों मामलों में विपक्षी दलों को भाजपा के खिलाफ कोई सफलता नहीं मिल सकी। ईडी ने पिछले 9 साल में 5000 केस फाइल किए। इनमें से 95 प्रतिशत केस विरोधी दलों के नेताओं और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ हैं। सवाल यही उठता है कि देश के प्रधानमंत्री पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी उद्योगपतियों से मिलकर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। चुनावी सभाओं में राहुल गांधी ने इसे प्रमुख मुद्दा बनाया हुआ है। इसके बावजूद राहुल गांधी या कांग्रेस इस मुद्दे पर अदालत के जरिए कानूनी कार्रवाई से कतरा रहे हैं। इससे यही साबित होता है कि ये आरोप सिर्फ चुनावी फायदे के लिए लगाए जा रहे हैं। इसके विपरीत ईडी और सीबीआई की कार्रवाई विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ लगातार जारी है। दिल्ली में शराब घोटाले के केस में केजरीवाल की पार्टी के तीन बड़े नेता पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के मामलों में लगातार विपक्षी दलों पर हमला कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सभाओं में घोटालों की बात की, भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया, फिर कहा कि जनता का पैसा खाने वालों को लूट का माल भी लौटाना पड़ेगा और जेल भी जाना पड़ेगा। शराब घोटाले के केस में अरविंद केजरीवाल ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए। उन्होंने ईडी के समन को मानने से इनकार कर दिया। ईडी के नोटिस को केजरीवाल ने राजनीति से प्रेरित बताया। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक रैली को संबोधित करते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोई कितना भी ताकतवर हो, कितने भी बड़े पद पर हो, कितना भी बड़ा नेता हो, अगर भ्रष्टाचार किया है, अगर जनता का पैसा खाया है, तो लूट का माल लौटाना ही पड़ेगा, जेल जाना ही पड़ेगा। मोदी ने सीधे-सीधे न केजरीवाल का नाम लिया, न शराब घोटाले की बात की। पांच राज्यों के चुनाव के दौरान केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई जारी है। प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुके शिवसेना (यूबीटी) नेता रवींद्र वायकर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला वायकर, उनकी पत्नी और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया है। वायकर व उनके परिवार पर आरोप है कि वो बीएमसी के नियमों की अनदेखी कर मुंबई के जोगेश्वरी में एक लग्जरी होटल बनाने वाले थे। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलगु देशम पार्टी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि कथित कौशल विकास निगम घोटाला मामले में चंद्रबाबू नायडू को सीआईडी और पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार किया गया। संजय सिंह की गिरफ्तारी के अगले ही दिन, गुरुवार को ईडी और आईटी ने चार राज्यों में छापेमारी की है। ईडी ने नगरपालिका भर्ती घोटाले के मामले में पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री रथिन घोष के यहां छापेमारी की। वहीं आईटी ने चेन्नई में डीएमके सांसद के यहां रेड डाली। इसके अलावा तेलंगाना में बीआरएस विधायक और कर्नाटक के शिवमोगा में डीसीसी बैंक के चेयरमैन के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की गई। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार के मंत्री रथिन घोष के आवास पर ईडी ने छापेमारी की है। यह कार्रवाई नगरपालिका भर्ती घोटाले में भागीदारी होने को लेकर की गई है। रथिन के कोलकाता आवास समेत 13 ठिकानों पर छापेमारी की गई है। रथिन घोष ममता सरकार में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री के पद पर हैं। तमिलनाडु में डीएमके सांसद एस. जगतरक्षकन के भवन पर आयकर विभाग ने 40 से ज्यादा स्थानों पर दबिश दी। आईटी की ओर से एकॉर्ड डिस्टिलर्स एंड ब्रूअर्स प्राइवेट लिमिटेड पर भी छापेमारी की। इसी तरह तेलंगाना में बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ से संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की गई। आईटी अधिकारियों के दलों ने कुकटपल्ली में उनके आवास और कार्यालयों के साथ हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में तलाशी ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सबसे करीबी रहे वरिष्ठ आईपीएस ऑफिसर बीएल सोनी ने बड़ा खुलासा किया। डीजी एंटी करप्शन ब्यूरो के पद से हाल ही में रिटायर हुए बीएल सोनी ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात करती है, लेकिन यह बात झूठी है। गहलोत सरकार में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। सोनी ने बताया कि मेरे एंटी करप्शन ब्यूरो का डीजी रहते, अभी हाल में ही कई बड़ी मछलियों को पकड़ा गया, लेकिन जब वो ट्रैप होते थे तो कार्रवाई के वक्त ऊपर से कोई खुशी जाहिर नहीं होती थी, बल्कि नाराजगी होती थी।

छापों की इन कार्रवाइयों पर विपक्षी दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं जाहिर की। अखिलेश यादव ने कहा कि इसमें तो कोई शक नहीं है कि बीजेपी जांच एजेंसियों के जरिए विरोधियों को परेशान कर रही है, उन्हें जेल में डाल रही है। जो यूपी में आजम खान के साथ हुआ अब वही दिल्ली में केजरीवाल के साथ हो रहा है, जो भी इस सरकार के खिलाफ बोलता है, उस पर बीजेपी केस कर देती है। अब चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। बिहार से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि विपक्ष की कोई भी सरकार अच्छा काम करती है, तो बीजेपी उसके पीछे ईडी, सीबीआई या आयकर विभाग को लगा देती है। विपक्षी दल दुर्भावना से कार्रवाई का आरोप लगाने तक सीमित हैं। भ्रष्टाचार से निपटने का उपाय कोई राजनीतिक दल नहीं देता। इसके अलावा कांग्रेस और विपक्षी दल चुनावी राज्यों में भी यह नहीं बता रहे हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में उनकी नीति क्या रहेगी। कैसे भ्रष्टाचार को जड़-मूल से उखाड़ा जाएगा। इस मुद्दे को एक भी विपक्षी दल ने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल नहीं किया। यह निश्चित है कि जब तक गैर भाजपा दल भ्रष्टाचार को लेकर कोई सार्वजनिक नीति बनाकर कार्रवाई की दृढ़ता नहीं दिखाएंगे, तब तक शक की सुई उनकी तरफ घूमती रहेगी।

संपादक की कलम से

मिथकीय कथाएं इतिहास नहीं

आजकल 'रामायण' और 'महाभारत' को स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाने की चर्चा चल रही है। यदि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद (एनसीईआरटी) की संबद्ध समिति की सिफारिश स्वीकार की गई, तो स्कूलों में 'इतिहास' की कक्षाओं में इन दोनों महान महाकाव्यों को पढ़ाया जाएगा। यहां कुछ सांस्कृतिक और आस्थामयी गड़बड़ हो सकती है, क्योंकि ऐसी पौराणिक कथाओं को भारतीय संस्कृति में इतिहास से भिन्न माना जाता है। इतिहास में सिकंदर-पोरस, चंद्रगुप्त मौर्य, हूण, यवन, मुगल और अंग्रेजी साम्राज्यों के विवरण भी हैं। किसने भारत पर कितने साल राज किया? किसने, कितने आक्रमण किए और देश को लूटा? साम्राज्यों के नाम और कालखंड क्या थे? युद्ध, हिंसा और हत्याओं के कितने अंतहीन दौर भारत ने देखे और झेले हैं? इतिहास उनका दस्तावेजी संकलन हो सकता है। उनके ब्योरे देते हुए इतिहासकारों की सोच और दृष्टि भी भिन्न रही है, लिहाजा तथ्यों और विश्लेषणों में भी भिन्नता और फासले हैं। 'रामायण' और 'महाभारत' इनसे बिल्कुल अलग हैं। वे सृजनात्मक कृतियां हैं। उनके आधार पर काव्य-शास्त्र की संरचना की गई है। बेशक इन महाकाव्यों में भी कहानियां हैं। इन महाकाव्यों में भी कथाओं के अलावा, साम्राज्य और युद्ध हैं, लेकिन इनके पात्र भारत में आक्रांता के किरदारों में नहीं हैं, वे भारतीय हैं, लिहाजा दोनों महाकाव्य हमारे रोम-रोम में बसे हैं। इनमें दो मिथकीय पात्र हैं-राम और कृष्ण। वे भारत में और अन्य कई देशों में करोड़ों लोगों के आस्था-देव भी हैं। वे अवतारी हैं, लिहाजा मर्यादा पुरुषोत्तम और गिरधर हैं। दरअसल भारत का मिथकीय कथाओं और पात्रों से आस्था, अध्यात्म और संस्कृति का संबंध है। बेशक आम आदमी को ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी न हो, लेकिन वे राम और कृष्ण को 'आराध्य' रूप में स्वीकार करते हैं, लिहाजा 'रामायण' और 'महाभारत' को अच्छी तरह जानते हैं। उसके मद्देनजर स्कूली पाठ्यक्रम में इन दोनों महाकाव्यों को सारांशतः पढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। यदि छात्रों को पढ़ाया जाए कि राम कितने स्वीकारवादी, समन्वयवादी, दलित-पिछड़ावादी महानायक थे, तो वह सार्थक होगा।

इसी तरह 'महाभारत' के संदर्भ में 'गीता-उपदेश' के ही महत्त्वपूर्ण भाष्य पढ़ाए जाएं, तो हमारी अगली पीढ़ी भारतीय संस्कृति और अतीत को गहराई से समझ सकेगी। इसी संदर्भ में हमारे पुराण, उपनिषद और चारों वेदों का सारांश अध्ययन भी महत्त्वपूर्ण होगा। दुनिया इन प्राचीन ग्रंथों का अध्ययन करती है और अपनी भाषाओं में शोध करती है, लेकिन हमारे स्कूली पाठ्यक्रमों में ये ग्रंथ गायब हैं। यदि 'रामायण' और 'महाभारत' को हिंदूवादी सोच और सियासत के मद्देनजर पढ़ाया जाता है, तो सत्तासीन भाजपा इतिहास के साथ कुछ भी खेल कर सकती है। बेशक इसका विरोध होगा, अंततः 'रामायण' और 'महाभारत' के पठन-पाठन को कब तक रोका जा सकता है? ये दोनों महाकाव्य स्थूल और औपचारिक इतिहास से बहुत ऊपर हैं। ये घटनाएं 2500 साल से अधिक प्राचीन हैं। तब न तो कोई विदेशी आक्रांता था, न ही कोई इतिहासकार और इतिहास-लेखन था। चूंकि राम और कृष्ण ने दोनों ऐतिहासिक घटनाओं में सूत्रधार की भूमिका निभाई, लिहाजा इन मिथकीय कथाओं से हम जीवन, संबंधों, नैतिकता, सत्ता, सत्य-शुचिता आदि के बारे में सीखते रहे हैं। हम इन्हीं कथाओं में शरण भी लेते रहे हैं, उससे हमें सुरक्षा और आत्मिक राहत मिलती है। ये कथाएं हमें सहारा भी देती हैं। मिथकीय कथाएं हमें सहिष्णु बनाती हैं, लेकिन इतिहास हमें विभाजित करता है। बहरहाल, कुछ मिथकीय चेहरों का अध्ययन किया जाए, तो उन स्वतंत्रता सेनानियों की क्रांति-कथाओं को भी पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाए, जिनके बलिदानों की वजह से हम स्वतंत्र हैं।

चर्चा

जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को समन किया था, ताकि शराब घोटाले के संदर्भ में पूछताछ की जा सके, लेकिन केजरीवाल ने समन को ही गलत तथा राजनीति से प्रेरित करार देते हुए पेश होने से इंकार कर दिया। उन्होंने कुछ सवाल भी पूछे कि जांच एजेंसी ने उन्हें मुख्यमंत्री अथवा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर बुलाया है। ईडी ने उन्हें 'गवाह' या 'संदिग्ध' के तौर पर समन भेजा था। भाजपा नेताओं के इन बयानों के मायने क्या हैं कि केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया जा सकता है, लिहाजा यह समन भाजपा के निर्देशानुसार भेजा गया है! केजरीवाल ने ईडी को लिखे पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के नाते उन पर काफी सरकारी दायित्व हैं और पार्टी का राष्ट्रीय नेता होने के नाते राज्यों के पार्टीजनों की अपेक्षा है कि वह चुनाव प्रचार करें। लिहाजा वह ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। चूंकि यह समन ही अवैध और अस्पष्ट है, लिहाजा उसे वापस ले लिया जाए। हमारी खबर है कि ईडी केजरीवाल को नया समन भेजेगा। यदि जरूरत पड़ी, तो अदालत का हस्तक्षेप भी मांगा जा सकता है। केजरीवाल ईडी के तीन समन ठुकरा सकते हैं। यदि फिर भी वह पेश नहीं होते हैं, तो ईडी को अगली कार्रवाई के लिए अदालत में ही जाना पड़ेगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी 5 समन भेज चुका है, लेकिन वह एक बार भी पेश नहीं हुए हैं। आजकल नेताओं ने ईडी के समन को गंभीरता से लेना छोड़ दिया है, क्योंकि सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि समन न मानने की स्थिति में ईडी किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकता है।

उसके लिए अदालत में आना अनिवार्य है। बहरहाल ईडी के संदर्भ में ही एक घटना राजस्थान में हुई है कि वहां के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने ईडी के एक अधिकारी को 15 लाख रुपए की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। वह अधिकारी इंफाल (मणिपुर) से राजस्थान आया था, ताकि भ्रष्टाचार के एक मामले को रफा-दफा किया जा सके। अब कांग्रेस नेता यह भी सवाल उठा रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में जो काले संदूक आ रहे हैं और करोड़ों की धरपकड़ की गई है, उसमें ईडी या सीबीआई की कितनी संलिप्तता है? जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार के कई मामले उजागर हुए हैं। इनसे सरकार और जांच एजेंसियों के प्रति अविश्वास बढ़ रहा है और वे सवालिया होने लगी हैं। आम आदमी की चिंता बढने लगी है कि जिन जांच एजेंसियों को, संविधान के तहत, भ्रष्टाचार की जांच का, जनादेश प्राप्त है, वे खुद ही दागी और कटघरे में मौजूद हैं। बीते दिनों सीबीआई ने 5 करोड़ रुपए के भुगतान मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कुछ दिन पहले असम पुलिस ने एक सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार किया था, जो एक व्यापारी से पैसे वसूलने की साजिश में जुटा था। बीते साल मई में खुद सीबीआई ने अपने ही चार सब-इंस्पेक्टरों को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया था। ऐसे कथित भ्रष्ट मामलों की फेहरिस्त काफी लंबी है। प्रथमद्रष्ट्या माना जा सकता है कि हमारी प्रमुख जांच एजेंसियां भी दूध की धुली नहीं हैं। यह बेहद गंभीर स्थिति है, लेकिन वे आर्थिक अपराधों को नहीं पकड़ सकतीं और कानूनी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकतीं, ऐसा मानना गलत है। दिल्ली शराब घोटाले के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने ही 338 करोड़ रुपए के मुनाफे और सरकारी जनसेवक को कथित घूस दिए जाने की बात अपने फैसले में कही है। हवाला मनी ट्रेल की ओर भी संकेत किया है। यदि दिल्ली सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह क्रमशः 8 माह और 28 दिनों से जेल में हैं और शीर्ष अदालत तक जमानत खारिज होती रही है, तो उस पार्टी के संयोजक और सरकार के मुख्यमंत्री जिम्मेदार क्यों नहीं होंगे? ईडी को इस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए केजरीवाल का पक्ष जानना बेहद जरूरी है।

प्रो. मनोज डोगरा

संविधान दिवस विशेष : भारत के प्राण भारतीय संविधान

किसी भी देश व समाज के संतुलित विकास में उस देश के नियम व कानून बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत में इन कानूनों-नियमों का शासन शास्त्र संविधान कहलाता है। शासन प्रशासन की शक्तियों का स्त्रोत हमारा भारतीय संविधान अपने आप में एक विशेष आयाम रखता है जिस आधार पर ही यह विश्व का सबसे लम्बा व विस्तृत संविधान होने का गौरव प्राप्त है। भारतीय संविधान निर्माण की गाथा ऐतिहासिक रही है। जब भारत स्वतंत्र हुआ तो नीति निर्माताओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती देश को संचालित करने के लिए अपने कानून, नियमों का होना था जिसकी पूर्ति के लिए संविधान सभा का गठन हुआ जोकि देश के प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिनिधि थी। भारतीय संविधान की रचना भी कोई एक दिन की कहानी नहीं है, बल्कि कई वर्षों के अथक प्रयासों का सम्मिलित रूप है। आज की पीढ़ी को सब कुछ थाली में सजा-परोसा मिलता है न, इसीलिए उसे इसकी कीमत पता नहीं है। हमारे देश ने करीब साढ़े तीन सौ सालों तक केवल ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी झेली है। यह समय कितना असहनीय और पीड़ादायी रहा है, यह हमारे लिए कल्पना के भी परे है। हम सभी बेहद भाग्यशाली हैं, जो हमने स्वतंत्र भारत में जन्म लिया। हम कुछ भी कर सकते हैं, कहीं भी आ-जा सकते हैं। कुछ भी बोल सकते हैं। जरा सोचिए, कितना हृदय विदारक होता होगा, जब आपको बात-बात पर यातनाएं दी जाती हों। भारत ने कभी गुलामी स्वीकार नहीं की, बल्कि सदैव संघर्ष किया तथा 1947 में अंग्रेजों को भगाया और देश के कुशल संचालन की चिंता चिंतन में परिवर्तित हुई तथा संविधान सभा ने संविधान को 26 नवम्बर 1949 को पारित किया तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ।

यह दिन भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। दो वर्ष, 11 महीने व 18 दिन तक चले रचना कार्य में निर्माताओं ने एक ऐसा कानूनी दस्तावेज तैयार किया जो वर्तमान की स्थिति, भविष्य की योजना व पूर्व के इतिहास को एक साथ लेकर आगे बढ़ा और आज पूरे विश्व के लिए एक आदर्श मिसाल प्रस्तुत करता है। वर्तमान काल में चिंतन का विषय आ जाता है कि क्या 'शासन का शास्त्र' सही मायने में बन भी पाया है हमारा संविधान, या वास्तविकता कुछ और ही है। वैसे किसी भी राष्ट्र का सबसे पवित्र ग्रंथ उस देश का संविधान होता है, लेकिन भारत में अधिकांश लोगों को संविधान का सार यानी प्रस्तावना तक का एक भी अंश किसी को याद नहीं होगा। लोगों को समझना होगा कि भारत के संविधान का जब निर्माण हुआ था तो यह भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक विरासत और समाज तथा परिस्थितियों का एक प्रतिबिंब था। इसका अनुसरण करके हम भारत को समझ सकते थे। हमें यह शासन शास्त्र ऐसे ही विरासत में नहीं मिला है। इसका एक-एक नियम, अधिकार, कर्त्तव्य, निर्देशक सिद्धांत, उपबंध व सभी व्यवस्थाएं कड़े संघर्ष के पश्चात हमें प्राप्त हुए हैं और विकट परिस्थितियों के बीच प्राप्त हुए हैं, लेकिन आज यह भारत का कानून है। देश का कोई भी व्यक्ति इस शासन शास्त्र से उच्च नहीं है और न कभी हो सकता है। यही बात तो हमारे संविधान को जीवंत बना देती है। हमारा संविधान इसलिए भी जीवंत है क्योंकि भारत की प्रत्येक स्थिति व परिस्थिति के अनुसार इसमें उपबंध शामिल हैं जो प्रत्येक अनुकूल व प्रतिकूल स्थिति के अनुसार ढल जाते हैं। भारत के संविधान पर भले ही अन्य विदेशों के संविधानों का थोड़ा या ज्यादा प्रभाव जरूर पड़ा हो, लेकिन इस बात को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि हमारे संविधान पर हमारी पुरातन भारतीय संस्कृति की अमिट छाप है। इसे हम सब ने आत्मार्पित किया है। जिस विषय की बात करेंगे वो हर विषय नियमों के रूप में हमारे संविधान में शामिल है।

भारतीय संविधान में नागरिकों के लिए मूल अधिकार व कर्त्तव्य शामिल हैं, लेकिन प्रश्नचिन्ह यहीं आकर लग जाता है कि अधिकारों के लिए तो सब कानूनी व संविधानवादी बन जाते हैं, पर जब बात कर्त्तव्यों की आती है तो ये संविधानवादी सोच वाले लोग कहां विलुप्त हो जाते हैं। बात अधिकारों की करें तो अधिकारों में भी माना अभिव्यक्ति का अधिकार है, ठीक है, लेकिन अभिव्यक्ति के नाम पर जब 'देश तेरे टुकड़े होंगे' व 'हमें चाहिए आजादी' जैसे नारे लगते हैं, तो ऐसी अभिव्यक्ति के लिए क्या कहा जाए, क्या यही है स्वतंत्रता का ढोल पीटने वालों की अभिव्यक्ति की आजादी? चिंतन के विषय में बात समानता की भी है। एक तरफ सभी को समान अधिकार व अवसर की समता जैसे अधिकार हैं, लेकिन 75 सालों की आजादी के बाद भी देश का लगभग एक बड़ा वर्ग रात को बिना अन्न खाए सोता है। यदि समानता का अधिकार है, तो देश के प्रत्येक व्यक्ति को यह समानता मिलनी चाहिए। एक तरफ धर्मनिरपेक्ष होने की बात कही जाती है तो दूसरी ओर धर्म के आधार पर सभी राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेंकते हैं। संविधान में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने पिछड़ा वर्गों के उत्थान व विकास के लिए आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया था, लेकिन साथ में यह भी कहा था कि दस वर्ष के पश्चात अवलोकन करके इसकी समीक्षा करके इसे हटा सकते हैं।

इधर हटाने की बात तो दूर, बल्कि आरक्षण पर राजनीति करके नेताओं ने कई सरकारें बना ली और कई नए बनाने की आस में हैं। क्या यही सामाजिक न्याय है? शिक्षा हरेक व्यक्ति को उपलब्ध करवाने की बात कही गई, लेकिन सरकारी संस्थाओं में ही फीस इतनी है कि मानो लगता है अनपढ़ रहना ही ठीक है। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया है जोकि दुख का विषय है। शिक्षा गरीब लोगों से दूर होती जा रही है। भारतीय संविधान में प्रत्येक विषय को शामिल करके संविधान निर्माताओं ने एक बेहतरीन शासन शास्त्र तैयार किया था, मगर आज देश में सब कुछ बंट गया है। और तो और, रंगों का भी बंटवारा हो गया है, लाल किसी का है तो हरा किसी का, तो सफेद किसी का हो गया है। जानवर बांट दिए गए हैं। मतलब जो ज्ञान व शिक्षा सभी में बंटनी चाहिए थी उसको छोड़ कर सब कुछ बंट चुका है। कहने को तो कई 'लोकतंत्र को भी खतरे' में बता देते हैं, मगर इतना ज्ञान न जाने ऐसे लोग कहां से लाते हैं, यह नहीं बता पाते कि खतरा हमसे स्वयं से ही है। देश में ऐसा लगता है मानो देश का 'गैंगीकरण' सा हो गया हो। देश में रहकर देश के विरोध में बोलकर न जाने क्या हासिल कर जाती हैं ऐसी गैंगें, इन्हीं गैंगों का शिकार हो रहा है हमारा भारत देश। हर भारतीय को अपने कर्त्तव्यों को निभाना होगा, तभी देश का विकास संभव हो पाएगा।

चिंतन विचार

सेलिब्रिटीज का इमोशनल होना'

भौतिक संसार में भावनात्मक संतुलन बनाए रखने की सलाह दी जाती है, लेकिन कई मामलों में तो भावनात्मक होते हुए सामान्य रोना नहीं बल्कि खूब रोना, अनेक परेशानियों से बाहर निकलकर, बेहतर जिंदगी जीने के लिए जरूरी माना जाता है। जापान जैसे विकसित देश में तो आंसू निकलवाने के लिए टियर टीचर्स भी प्रशिक्षित किए जाते रहे हैं। लेकिन हमारा मामला अलग है। हमारे देश में राजनीतिजी ने आम लोगों के आंसू निकाल दिए हैं इतने कि खत्म हो गए लगते हैं। इसलिए जब प्रसिद्ध, महान होते नेता या मंत्री इमोशनल होते हैं तो कायनात भी भीगने लगती है। कमबख्त ढूंढने वाले तो उनके आंसुओं में भी राजनीति खोजने लगते हैं। पता नहीं आंसुओं में राजनीति का तेल होता है या सिर्फ नमकीन पानी, लेकिन जब आंसू निकल आते हैं तो भावुकता शरीर से भी टपकने लगती है। भावना की नदी का बहाव आमंत्रित करता है। राजनेताओं के चेले, चमचे, सहयोगी, अधिकारी, कारें, स्वागत द्वार, फूलों के बुके तक भीग उठते हैं। रुमाल अक्सर हाथ में रहते हैं। यह तत्काल भुला दिया जाता है या याद ही नहीं रहता कि राजनीति में सचमुच कितनी खतरनाक पारिवारिक, क्षेत्रीय, धार्मिक, आर्थिक और जातीय भावनाएं भरी होती हैं। बेचारी आंखों को कई बार छलकना पड़ता है। दिमाग से विरोधी अनेक व्यक्तियों की आंखों में नमकीन पानी उमडना नहीं चाहता, लेकिन भावनात्मक माहौल से प्रेरित हो, दिखाने के लिए बेहतर अंदाज में टपकाया जाता है। आखिर मामला आम आंखों के आंसुओं का नहीं, प्रसिद्ध आंखों के ख़ास आंसुओं का जो होता है। सेलिब्रेटी के साथ कुछ न कुछ इमोशनल हो जाता है। वहां दस्तूर भी होता है और मौका भी। यह तहजीब का मामला बन जाता है जी। आंसू साबित करते हैं कि राजनीतिजी के राज्य में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता। असली, खालिस दुर्भावनाएं दबा दी जाती हैं। इस बारे सभी को पता होता है, लेकिन अवसर सेलिब्रेटीज के इमोशनल होने का होता है तो खलल नहीं डाली जाती। अनुशासन भी तो एक चीज होती है जी। तभी तो सही अवसर का इंतजार किया जाता है।

स्वाभाविक सच तो यही है कि जिंदगी में सफल होने के लिए मेहनत करनी पड़ती है और सफलता को टिकाए रखने के लिए सघन, अलग तरह की मेहनत करनी पड़ती है। वास्तव में समझा जाए तो हमेशा संयमित और अनुशासित जीवन जीने वाले, आम लोगों के साथ कुछ भी हो जाने पर द्रवित न होने वाले सेलिब्रेटीज का कभी-कभी इमोशनल होना भी जरूरी है। इस मंच पर वे खुद का इनसान होना कबूल करते हैं। हालांकि वे उचित अवसरों पर ही ऐसा रूप धर पाते हैं। वैसे भी वे सबकी तरह हाड़-मांस वाले इनसान ही तो होते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं का तो गुंचा भी अनुशासन में बंधा होता है। हम इतने भी जापानी नहीं हैं कि भावनात्मक होने पर आंसू निकालने के लिए सीखना या सिखाना पड़े। खरी सच्चाई यह भी तो है कि आंखों से भावनाएं ज़्यादा बह निकलें, सुबकना शुरू कर दें, शारीरिक रूप से ज़्यादा प्रदर्शित की जाएं तो सांसारिक या भौतिक नुकसान ज़्यादा भी हो सकता है। इसलिए बाज़ार के प्रतिनिधि इस संदर्भ में संयम बरतने की कोचिंग देते रहते हैं, लेकिन कमबख्त बाज़ार ही तो सेलिब्रेटीज़ को उचित अवसरों पर इमोशनल होने की संजीदा सलाह देता है।

प्रभात कुमार

अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में आई तेजी, हुई 15,000 करोड़ रुपये की बढ़त

अदानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में तेजी आई और अब इसकी कीमत बढ़कर करीब 15000 करोड़ रुपये हो गई है। 24 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने अडानी ग्रुप के खिलाफ धोखाधड़ी की जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई की और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक अडानी समूह की दस सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयर हरे निशान में बंद हुए।

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। अब इनकी कीमत लगभग 15,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गई है। 24 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों की जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर की सुनवाई की और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

इसके बाद स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार अदाणी ग्रुप के 10 सूचीबद्ध समूह कंपनियों में से नौ के स्टॉक हरे रंग में समाप्त हुईं। इस हफ्ते अदाणी ग्रुप का बाजार पूंजीकरण में 14,786 करोड़ रुपये जुड़े। अदाणी ग्रुप की 10 कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को कारोबार बंद होने पर लगभग 10.26 लाख करोड़ रुपये था। वहीं गुरुवार को यह 10.11 लाख करोड़ रुपये था।

अदाणी ग्रुप के खिलाफ याचिका की सुनवाई

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ याचिका की सुनवाई की है। इसमें उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से यह उम्मीद नहीं की जा सकती है कि वह अदाणी के आचरण के बारे में फैसला लेने के लिए मिडिया के रिपोर्टों को फॉलो करेंगे।

इसको लेकर सेबी ने यह भी कहा कि वह अपनी चल रही जांच को पूरा करने की समय सीमा नहीं बढ़ाएगा। विश्लेषकों ने कहा कि स्टॉक की कीमतों में बढ़त निवेशकों द्वारा अदाणी ग्रुप में विश्वास का संकेत है। अब कंपनी हिंडनबर्ग विवाद को पीछे छोड़कर निवेश चक्र पर ध्यान दे रही है।

अदाणी ग्रुप के शेयर

24 नवंबर 2023 को अदाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से नौ हरे निशान में थे। इस ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने 2.3 फीसदी की छलांग लगाई, इसके बाद इसका बाजार पूंजीकरण 2.53 लाख करोड़ रुपये हो गया।

वहीं अदाणी पावर के स्टॉक 4.06 फीसदी तक बढ़ गए। इसका भी एमकैप 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गया। अदाणी टोटल गैस 1.2 प्रतिशत, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 0.84 प्रतिशत, और अदाणी ग्रीन एनर्जी के स्टॉक 0.77 प्रतिशत फीसदी तक चढ़कर बंद हुए हैं। दूसरी तरफ अंबुजा सीमेंट के शेयर 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ।

इस महीने आएगी पीएम किसान योजना की अगली किस्त, लाभ उठाने के लिए तुरंत करें ये काम

केंद्र सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए पीएम किसान योजना शुरू किया है। इस योजना में किस्तों में राशि दी जाती है। 15 नवंबर 2023 को सरकार ने किसानों के अकाउंट में 15वीं किस्त जारी की है। इस योजना में सभी वर्ग के किसान आवेदन दे सकते हैं। जानिए आप कैसे उठा सकते हैं इस योजना का लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा पीएम किसान सम्मानिधि योजना (PM Kisan Samman Nidhi Yojana) शुरू किया है। इस योजना में किसानों को सालाना 6,000 रुपये की राशि मिलती है। यह राशि किस्तों में दी जाती है। एक साल में 3 किस्त आती है। 27 जुलाई को सरकार ने 14वीं किस्त और 15 नवंबर को 15वीं किस्त जारी की थी। अब किसानों को 15वीं किस्त का इंतजार है। देश के सभी किसानों के लिए यह स्कीम शुरू की गई है। अभी भी कई किसान इस स्कीम का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इस स्कीम का लाभ किसी भी वर्ग कि किसान आसानी से घर बैठे उठा सकते हैं।

पीएम किसान सम्मा निधि योजना क्या है

पीएम किसान (PM-Kisan) देश में सभी किसानों को वित्तीय सहायता देने के लिए शुरू किया गया है। इस योजना के तहत किसान परिवारों को सालाना 6000 रुपये राशि दी जाती है। यह राशि हर चार महीने में 2000 रुपये की तीन किस्तों में मिलती है। पीएम किसान के अधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इस स्कीम का लाभ पाने के लिए किसानों के लिए eKYC अनिवार्य है। इसके अलावा उन्हें अपने जमीन का सत्यापन भी करवाना होगा।

पीएम किसान की 16वीं किस्त कब आएगी?

पीएम किसान योजना के अनुसार हर चार महीने में एक किस्त जारी होती है। 15 नवंबर 2023 को किसानों के अकाउंट में 15वीं किस्त आ गई थी। ऐसे में अब उम्मीद है कि फरवरी से मार्च के बीच किसानों के अकाउंट में 16वीं किस्त आ जाएगी। फिलहाल, 16वीं किस्त के लिए कोई तारीख तय नहीं है।

पीएम किसान योजना में आवेदन कैसे करें

आपको पीएम किसान के अधिकारिक पोर्टल पर जाना है। इसके बाद फार्मर कॉर्नर पर जाएं। अब आपन्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करें।

रिवाइज हुए पेट्रोल-डीजल के दाम, टंकी फुल करवाने से पहले चेक करें लेटेस्ट रेट

रोजोना सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के रेट को अपडेट किया जाता है। यह रेट वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर तय होती है। इस कारोबारी हफ्ते ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। आपको अपनी गाड़ी की टंकी फुल करवाने से पहले एक बार पेट्रोल-डीजल के रेट जरूर चेक कर लेने चाहिए।

नई दिल्ली। 25 नवंबर 2023 को देश में पेट्रोल-डीजल के दामों को रिवाइज किया गया है। इसका मतलब है कि अब नई दरों पर पेट्रोल-डीजल दिया जाएगा। 22 मई 2022 से राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज भी तेल कंपनियों ने गाड़ीचालकों को राहत की खबर दी है। देश के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम जस के तस बने हुए हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों के आधार पर तय किया जाता है। इस हफ्ते कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखने को मिलेगी। आज क्रूड ऑयल 76.89 डॉलर प्रति बैरल है। एक बैरल में करीब 158 लीटर तेल होता है। कच्चे तेल को रिफाइन करने के बाद पेट्रोल या डीजल निकाला जाता है।

आपको गाड़ी की टंकी फुल करवाने से पहले एक बार पेट्रोल-डीजल के रेट जरूर चेक करना चाहिए। आप इंडियन ऑयल ऐप से भी लेटेस्ट रेट चेक कर सकते हैं। जानिए, आज आपके शहर में क्या है पेट्रोल-डीजल के रेट?

दिल्ली, मुंबई समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल के रेट

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल 102.75 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 94.33 रुपये में मिल रहा है।

मुंबई में एक लीटर पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 92.76 रुपये में मिल रही है।

पटना, जयपुर समेत अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत

पटना: पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर

लखनऊ: पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद: पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़: पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर

नोएडा: पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम: पेट्रोल 96.84 रुपये और डीजल 89.72 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु: पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर

पोस्ट ऑफिस की किस योजना में निवेश से होगा ज्यादा फायदा? यहां चेक करें पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

इंडिया पोस्ट देश में ऐसे ही कई सरकारी स्कीम चलाता है जहां आप सालाना 8.2 फीसदी तक का ब्याज कमा सकते हैं। आज हम आपको पोस्ट ऑफिस के ऐसे स्कीम के बारे में बताएंगे जहां निवेश कर आपको ज्यादा फायदा हो सकता है। देश में पोस्ट ऑफिस की दस योजनाएं चल रही है जिसे छोटी बचत योजना भी कहते हैं।

नई दिल्ली। देश में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें निवेश तो करना है लेकिन रिस्क बिल्कुल नहीं लेना। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा समर्थित निवेश योजनाएं ही आखिरी रास्ता है जो आपको गारंटी रिटर्न दे और रिस्क भी कम हो।

भारतीय डाकघर (India Post) देश में ऐसी कई सरकारी स्कीम चला रहा है, जहां आपको सालाना 8.2 प्रतिशत तक का ब्याज मिलता है। कम रिस्क, ज्यादा ब्याज और गारंटी रिटर्न और तीनों मिले तो निवेश करने में ज्यादा परेशानी किसी को नहीं होती।

आज हम आपको पोस्ट ऑफिस की ऐसी ही स्कीम के बारे में बताएंगे जिसमें निवेश कर आपको ज्यादा फायदा हो सकता है। पोस्ट ऑफिस देश में 10 स्कीम चलाता है जिसे छोटी बचत योजना (Small Savings Scheme) भी कहा जाता है। चलिए एक-एक कर इन स्कीम को जानते हैं। यहां बताई गई सभी स्कीम का ब्याज 7 प्रतिशत से उपर है।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (SCSS)

पूरे पोस्ट ऑफिस स्कीम की सूची में सबसे ज्यादा फायदा आपको इसी स्कीम में होगा क्योंकि इस स्कीम का ब्याज सबसे अधिक है। वर्तमान में सरकार इस स्कीम पर 8.2 प्रतिशत का सालाना ब्याज दे रही है।

इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए आपकी उम्र 60 साल से अधिक होनी चाहिए। इसके अलावा 55 साल से अधिक और 60 साल से कम आयु के रिटायर लोग भी इस स्कीम में निवेश कर सकती है, हालांकि ऐसे लोगों को इस स्कीम में केवल अपनी बेटियों के नाम से निवेश कर सकते हैं वो भी तब जब आपकी बेटी की उम्र 10 साल से कम हो। एक परिवार में अधिकतम दो लड़कियों के नाम पर इस अकाउंट को खुलवा सकते हैं।

आपको इस स्कीम में एक वित्त वर्ष में कम से कम 250 रुपये का निवेश करना होगा हालांकि आप अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। खाता खोलने की तारीख से 21 वर्ष के बाद यह अकाउंट मैच्योर हो जाता है। बच्ची की 18 साल की उम्र या 10वीं पास होने पर आप इस अकाउंट से पैसा निकाल सकते हैं।

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट

इस स्कीम में सरकार आपको सालाना 7.7 प्रतिशत का ब्याज देती है। इस स्कीम में निवेश करने की न्यूनतम राशि 1000 रुपये और अधिकतम कोई राशि नहीं है। इस स्कीम में कोई भी वयस्क निवेश कर सकता है। पांच साल के बाद यह अकाउंट मैच्योर हो जाता है।

इसके अलावा आप किसान विकास पत्र (7.5 प्रतिशत ब्याज), महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट (7.5 प्रतिशत ब्याज), पब्लिक प्रोविडेंड फंड (7.1 प्रतिशत ब्याज) में भी निवेश कर अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा ,17 नवंबर तक 595 बिलियन अमेरिकी डॉलर की हुई बढ़त

17 नवंबर को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने समाप्त हफ्ते के लिए भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार 17 नवंबर 2023 तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार 0.077 बिलियन डॉलर बढ़कर 595.397 बिलियन डॉलर हो गया। पिछले हफ्ते की रिपोर्टिंग के मुताबिक यह 62 मिलियन डॉलर गिरकर 590.321 बिलियन डॉलर हो गया।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ( ) ने 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार की रिपोर्ट जारी कर दी है। इस रिपोर्ट के अनुसार 17 नवंबर 2023 तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार .077 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 595.397 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। वहीं, पिछले हफ्ते की रिपोर्टिंग में यह 62 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 590.321 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जारी साप्ताहिक सांख्यिकीय अनुपूरक के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा संपत्ति, भंडार का 4.387 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 526.391 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। आपको बता दें कि अक्टूबर 2021 में, देश की विदेशी मुद्रा किटी 645 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले साल से वैश्विक विकास के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की रक्षा के लिए पूंजी भंडार को तैनात कर दिया। इस ने भंडार को प्रभावित किया है। विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर- अमेरिकी इकाइयों पर भी असर हुआ है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 527 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 46.042 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। इसमें कहा गया है कि विशेष आहरण अधिकार 120 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 18.131 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गए। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 4.833 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

FX स्मार्टबुल के साथ RBI ने 19 संस्थानों को बनाया हिस्सा, यहां जानें सारी जरूरी डिटेल्स

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को 19 और कंपनियों को जोड़ा जिनमें एफएक्स स्मार्टबुल जस्ट मार्केट्स और गोडो एफएक्स शामिल हैं। हमने तब से अपने विदेशी मुद्रा व्यापार मंच पर चेतावनी सूची अपडेट कर दी है। यह संख्या अब बढ़कर 75 लोगों तक पहुंच गई है। चेतावनी सूची में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 1999 (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा में व्यापार करने के लिए अधिकृत सभी संस्थान शामिल हैं।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एफएक्स स्मार्टबुल, जस्ट मार्केट्स और गोडो एफएक्स सहित 19 और संस्थाओं को जोड़ा है। इसके बाद विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफार्मों की 'अलर्ट सूची' को अपडेट किया। अब इनकी संख्या 75 हो गई।

आपको बता दें कि अलर्ट सूची में वह सभी संस्था शामिल है जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा में सौदा करने के लिए अधिकृत हैं। रिजर्व बैंक के निर्देशों के तहत विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) संचालित करने के लिए अधिकृत हैं।

इस सूची में जोड़ी गई अन्य इकाइयां एडमिरल मार्केट, ब्लैकबुल, ईजी मार्केट्स, एन्क्लेव एफएक्स, फिनोविड फिनटेक, एफएक्स स्मार्टबुल, एफएक्स ट्रे मार्केट, फॉरेक्सब्यू, ग्रोईंग कैपिटल सर्विसेज और एचएफ मार्केट्स हैं। अगर अन्य प्लेटफॉर्म में एचवाईसीएम कैपिटल मार्केट्स, जेजीसीएफएक्स, पीयू प्राइम, रियल गोल्ड कैपिटल, टीएनएफएक्स, या मार्केट्स और गेट ट्रेड भी शामिल हुए हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजनाः दिल्ली से 83वीं ट्रेन होगी रवाना, सीएम केजरीवाल ने बुजुर्गों का लिया आशीर्वाद

दिल्ली के बुजुर्गों को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शनिवार को 83वीं ट्रेन श्री द्वारिकाधीश जी के दर्शन कराने जा रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि मैं इस अवसर पर सभी बुजुर्ग यात्रियों से मिलने आया हूं।

दिल्ली सरकार की ओर से फ्री में बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत तीर्थयात्रियों की 83वीं ट्रेन जाएगी। ये ट्रेन दिल्ली के बुजुर्गों को लेकर श्री द्वारिकाधीश जी के दर्शन कराने जा रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी बुजुर्ग यात्रियों से मुलाकात की।

दिल्ली के बुजुर्गों को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शनिवार को 83वीं ट्रेन श्री द्वारिकाधीश जी के दर्शन कराने जा रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि मैं इस अवसर पर सभी बुजुर्ग यात्रियों से मिलने आया हूं। आपके आशीर्वाद से पंजाब में भी हमारी सरकार बन गई है। परसों से पंजाब में भी मुफ्त तीर्थ यात्रा शुरू होने जा रही है। पहली ट्रेन एक हजार बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा पर लेकर जाएगी।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आगे कहा कि दूसरी पार्टियों के पास अरबों रुपये होंगे, हमारे पास आपका आशीर्वाद है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अब तक 82 ट्रेन जा चुकी है और ये 83वीं ट्रेन रवाना होगी। अब तक दिल्ली में 80 हजार बुजुर्ग तीर्थ स्थानों की यात्रा कर चुके हैं। जब भी हर हफ्ते तीर्थ यात्रा के लिए ट्रेन जाती है तो मेरी कोशिश होती है कि मैं आप सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने जरूर आऊं।

जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले पंजाब के बुजुर्गों को दिवाली का तोहफा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में कैबिनेट ने देश के विभिन्न भागों में प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों की मुफ्त यात्रा कराने के लिए 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा स्कीम' को भी मंजूरी दे दी। पंजाब में भी यह योजना शुरू हो चुकी है।

एस टी जाभियर उच्च बिद्यालय मे बिज्ञान प्रदर्शनी

मनोरंजन सासमल , ओडिशा

भुबानेश्वर : ओड़िशा की ढेंकानल जिले रणपसी में st झवियर बिद्यालय मे बिज्ञान प्रदर्शनी आज हुई ।जिले की PD DRDA अधिकरि ज्योति शंकर साहू ने बिज्ञान प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किये ।एक से बारह छात्रों ने अपनी अपनि प्रकल्प को प्रदर्षित किये । माथ, बिज्ञान , सोसियल साइंस , साहित्य , हिंदी ओर इंग्लिश बिभाग का अलग अलग प्रकल्प प्रदर्षित हुई थी । बिजयालक्ष्मि सासमल और दिप्तिमयि बेहेरा का माथ प्रकल्प डेसिमल नंबर को कुछ लोगो ने प्रशंसा कियेथे ।एक हजारों से जादा प्रकल्प प्रदर्षित हुई थी । इसी समारोह में स्कूल चेयरमैन , प्रिंसिपल प्रताप चंद्र पनीग्राही , शीक्षक और अभिभाबक शामिल हुई थी ।स्कूल की छात्र छात्रिओ ने एक रगा रंग सास्कूतिक कार्यक्रम आयोजित किये ।

अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा ने मनाया यादव शौर्य दिवस

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा की ओर से 18 नवंबर 1962 भारत चीन रेजांगला युद्ध 114 वीर अहीर जवानों के शौर्य पराक्रम, शहादत व बलिदान के सम्मान में भारतीय सेना में अहिर रेजीमेंट के गठन के लिए आज दिल्ली के जंतर मंतर पर यादव शौर्य दिवस पर अहीर रेजिमेंट बनाओ सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजेंद्र यादव के नेतृत्व में किया गया।

इस मौके पर प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंप कर भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट गठन की मांग की गई। इस कार्यक्रम में 1962 रेजांगला युद्ध के वीर हीरो कैप्टन रामचंद्र यादव पदम श्री अवार्ड से सम्मानित, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनीष यादव, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण यादव, उपाध्यक्ष कपिल मुनि यादव, राष्ट्रीय महासचिव सागर यादव, महासचिव पारस यादव, महासचिव रासबिहारी मंडल, राष्ट्रीय सचिव जीडी यादव, डॉक्टर सुषमा यादव, मदन मोहन यादव, तीरथ यादव, जितेंद्र यादव, विजय यादव, प्रमोद यादव, वासुदेव यादव, अर्जुन यादव, धर्मराज यादव, संजय यादव, राम अवध यादव, साहिल यादव, हरी लाल यादव, सागर यादव, हरी लाल यादव, शिशुपाल यादव, रमेश यादव, सनी यादव, लालू यादव सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विजेंद्र यादव ने कहा कि हम सभी को संगठित होकर अहीर रेजिमेंट की मांग को उठाना है और सोई हुई सरकार को जगाना है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग करी कि जल्द से जल्द अहिर रेजीमेंट का गठन किया जाए। इस मौके पर कई राज्यों से आए हुए यादव ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्कूल लाइब्रेरी में रखी आपत्तिजनक पुस्तक पर प्रतिबंध ,एमसीडी ने जारी किए हटाने के आदेश

परिवहन विशेष ।एसडी सेठी। दिल्ली नगर निगम ने निगम स्कूलों की लाइब्रेरी में रखी गई आपत्तिजनक पुस्तक 'भारत की लोक कथाए' को स्कूलों की लाइब्रेरी से तत्काल हटाने के आदेश दे दिए है ।इस बावत दिल्ली नगर निगम हेड क्वार्टर ,शिक्षा विभाग, शारीरिक शिक्षा अनुभाग, मिंटो रोड कार्यालय के पत्रांक संख्या डी/अपर/निदे.शिक्षा/दि.न.नि/मु./2023/612 दिनांक 23 नवंबर ,2023 मिनी शर्मा -अपर निदेशक शिक्षा द्वारा हस्ताक्षरित पत्र जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि दिवाली से दो हफ्ते पहले रविवार 29 नवंबर को बरवाला पंचायत-360 के संस्थापक सुप्रीमों रामकिशन पूनिया, और चेयरमैन कप्तान सिंह रंगा के नेतृत्व में इस आपत्तिजनक पुस्तक को रोहिणी सेक्टर 11 के अंबेडकर भवन के बाहर किताब को एमसीडी स्कूलों की लाइब्रेरी से हटाने के लिए विरोध में फूंका गया था। साथ ही एमसीडी शिक्षा निदेशक, और कमिशनर के घर के बाहर दिवाली के दिन आपत्तिजनक पुस्तक को फूंकने तक की घोषणा कर दी थी। इस पूरे विरोध प्रदर्शन आपत्तिजनक किताब, 'भारत की लोक कथाए पर अखबार में 'एमसीडी लाइब्रेरी में रखी आपत्तिजनक बुक को फूंका' शीर्षक से खबर को प्रमुखता से छापा था। इस प्रकाशित खबर के असर से शिक्षा विभाग में हडकंप मच गया। और एमसीडी अपर शिक्षा निदेशक ने दिल्ली के तमाम स्कूल लाइब्रेरी से इस आपत्तिजनक पुस्तक को तुरंत प्रभाव से हटाने, साथ ही इन तमाम एकत्रित पुस्तकों को क्षेत्रीय कार्यालय में रखने के अलावा, किस स्त्रोत से यह पुस्तक प्राप्त की गई, इस बारे में पूरी जानकारी रिपोर्ट मुख्यालय ने तलब कर ली है।

सूर्या फ़ाउण्डेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर जागरूकता लाने के लिए 25.11.2023 को एक सेमिनार आयोजित किया

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। एन.सी.ई.आर.टी. के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं अनेक पुस्तकों के सुप्रसिद्ध लेखक डॉ. एच.एल. शर्मा ने सेमिनार में आए हुए अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी छोटे बच्चों के बस्ते का बोझ और उनके माथे पर चिंता की रेखाओं को बार-बार देखकर द्रवित हो जाते थे। इसके समाधान के लिए उन्होंने शिक्षाविदों की एक बैठक में बच्चों के बस्ते का बोझ एवं मानसिक तनाव कम करने के लिए एक कक्षा-एक किताब परियोजना के तहत कक्षा-एक से पाँच तक पुस्तकों की रचना करने का प्रस्ताव रखा। सभी शिक्षाविदों एवं विषय विशेषज्ञों प्रो. चन्द्रभूषण, श्री गंगादत्त शर्मा श्री प्रभाकर द्विवेदी, श्री शांतिस्वरूप रस्तोगी, श्री टी. आर. गुप्ता, डॉ. गुज्जरमल्ल वर्मा, प्रो. डी. पी. नैयर आदि ने प्रो. एच. एल. शर्मा के संयोजन में सूर्य भारती पुस्तकों की रचना की। इन पुस्तकों को अब एनईपी- 2020 के अनुरूप संशोधित किया जा चुका है। इन पुस्तकों का उपयोग करने के पश्चात विद्या भारती, सनातन धर्म शिक्षा समिति आदि शिक्षा संस्थानों ने मुक्त कंठ से इनकी प्रशंसा करते हुए अपना फ़ीडबैक दिया है।

सूर्य भारती पुस्तकों में भारत की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति, सभ्यता और स्वस्थ परंपराओं का परिचय रोचक ढंग से कथा, नाटक, पहेली, संवाद आदि के माध्यम से कराया गया है। तर्कपूर्ण वैज्ञानिक सोच, देश के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा, पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं शांतिपूर्ण सहअस्तित्व जैसे प्रजातांत्रिक मूल्यों को इन पुस्तकों में विशेष महत्व दिया गया है। सीखने के न्यूनतम स्तर, सीखे हुए पर पूर्ण दक्षता, अवधारणात्मक समझ एवं रचनावाद के आधार पर इन पुस्तकों की रचना हुई है।

ज्ञान की समग्रता को अनुभव करते हुए सभी विषयों का समेकन किया गया है। ये पुस्तकें बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए मार्गदर्शक एवं अभिभावकों तथा प्रबंधकों आदि के लिए भी उपयोगी हैं। ये पुस्तकें लगभग 300 से अधिक विद्यालयों, 400 से अधिक संस्कार केन्द्रों, एकल विद्यालयों एवं सामाजिक संस्थाओं में पढ़ाई जा रही हैं।

सांसद बहेड़िया एवं भाजपा जिला अध्यक्ष मेवाड़ा ने मताधिकार का प्रयोग कर भरोसा जताया कि भीलवाड़ा की सातों विधानसभाओं पर कमल खिलेगा

पारवहन विशष -अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। लोकतांत्रिक देश की नीव मजबूत और सशक्त राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए आज भीलवाड़ा सांसद सुभाष बहेड़िया एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेकर प्रातः अपने क्षेत्र के बुथ पर मताधिकार का प्रयोग कर मतदान के प्रति जागरूकता दिखाई

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि सासद अपने क्षेत्र के बुथ वाणिज्य कर विभाग, गायत्री आश्रम में मताधिकार का प्रयोग किया ,साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा सपत्नी छोटी पुलिया के पास, रा बा उ प्राथमिक विद्यालय, सुभाष नगर क्षेत्र में बुथ पर जाकर मताधिकार का प्रयोग कर सभी को मतदान करने की अपील की, भाजपा जिला अध्यक्ष ने भाजपा की जीत पर भरोसा जताते हुए कहा कि भीलवाड़ा की सातों विधानसभा में कमल खिलेगा इस अवसर पर सांसद ने कहा कि भीलवाड़ा वासीयो द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग कर राष्ट्र की प्रगति में अपनी अहम भूमिका एवं सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने एवं लोकतंत्र प्रणाली को जीवंत व सहभागी बनाने पर धन्यवाद ज्ञापन किया

लाजपत नगर में जनवरी तक शुरू होगी मल्टीलेवल कार पार्किंग, 200 से अधिक कार खड़ी करने की होगी जगह

निगम अधिकारियों का मानना है कि पार्किंग खुल जाने के बाद निगम की आमदनी बढ़ेगी और लोगों को सुविधा भी मिलेगी। खासकर सामुदायिक भवन व अमर कॉलोनी मार्केट में आने वाले लोगों को सर्वाधिक सुविधा मिलेगी।

लाजपत नगर में जनवरी तक लोगों को ऑटोमेटेड मल्टी लेवल कार पार्किंग मिल जाएगी। यहां पर 200 से से अधिक कारें खड़ी करने की जगह होगी, जिससे लाजपत नगर बाजार में आने वाले खरीदारों को सबसे अधिक सहूलियत मिलेगी।

मल्टी लेवल कार पार्किंग के तीन ब्लॉक बनकर तैयार हैं। पार्किंग परिसर में शौचालय, नियंत्रण कक्ष और रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित किया है।

निगम अधिकारियों का मानना है कि पार्किंग खुल जाने के बाद निगम की आमदनी बढ़ेगी और लोगों को सुविधा भी मिलेगी। खासकर सामुदायिक भवन व अमर कॉलोनी मार्केट में आने वाले लोगों को सर्वाधिक सुविधा मिलेगी। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने बताया कि हाल ही में उन्होंने निर्माणाधीन कार पार्किंग का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि जल्द से जल्द इस पार्किंग सुविधा को नागरिकों को समर्पित किया जा सके। मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस पार्किंग का काम जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा किया जाए।

रातोंरात अमीर बनना चाहता था हलवाई, फिर बन गया दिल्ली पुलिस का 'इंस्पेक्टर'; लोगों के बीच वर्दी पहनकर पहुंचा तो...

पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है जो कैटरिंग का काम करता था। पूछताछ में उसने बताया कि वह जल्दी ही अमीर बनना चाहता था। इसके लिए उसने दिल्ली पुलिस का इंस्पेक्टर बनकर लोगों के बीच वर्दी पहनकर पहुंच गया और लोगों से ठगी करने लगा। पुलिस ने उसके पास से इंस्पेक्टर रैंक की वर्दी भी बरामद की है।

नईदिल्ली। सागरपुर थाना क्षेत्र में एक हलवाई दिल्ली पुलिस का इंस्पेक्टर बन गया। वह रौब दिखाकर लोगों से मोटी रकम ऐंठता था। शख्स का नाम लक्ष्मी नारायण शर्मा है। पुलिस ने शख्स को फर्जी पुलिस बनकर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। इसके कब्जे से पुलिस ने दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर रैंक की वर्दी बरामद की गई है।

खुद को बताया एडिशनल एसएचओ

पुलिस को दी शिकायत में एक व्यक्ति ने बताया कि एक शख्स ने कहा खुद को सागरपुर थाना एडिशनल एसएचओ बताकर रुपये और चेक ले लिए। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस, लोकल इंटेलिजेंस और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू किए। आरोपित की पहचान के बाद उसे पुलिस टीम ने दबोच लिया।

आर. के. शर्मा के नाम का बनवाया था नेम प्लेट

जिस समय हलवाई का काम करने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया, वह उस समय दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर की वर्दी पहन रखी थी। वर्दी पर आर.के. शर्मा की नेम प्लेट भी लगी थी। पुलिस टीम ने जब उसे उसकी पहचान सत्यापित करने को कहा तो वह इसमें असफल रहा। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह कैटरिंग का काम करता है।

जल्दी अमीर बनना चाहता था शख्स

उसने बताया कि जल्दी अमीर बनने की चाह में वह दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर की वर्दी पहने कर लोगों से ठगी की वारदात को अंजाम देने लगा। आरोपित के खिलाफ किशनगढ़ थाने में पहले से एक मामला चल रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023